page 1 and 8 June 6_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/6/2026 2:05 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले माफिया से सजग रहें: मुख्यमंत्री

5 प्रज्ञानानंद ने आल इंडियन मुकाबले में गुकेश को हराया

8 छात्रों को करियर, उद्यमिता और पेशेवर विकास के गुर बताए

न्यूनतम 28 मौसम जम्मू अधिकतम 42

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-137 | जम्मू तवी, शनिवार 06 जून, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

# उपराज्यपाल सिन्हा गांदरबल में नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान में शामिल हुए

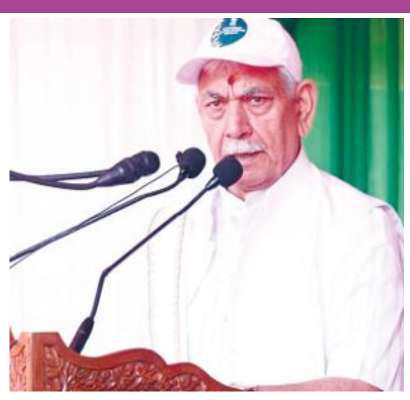

**श्रीनगर, 5 जून।** उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा आज गांदरबल में 'नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ पदयात्रा में भाग लिया और जनसभा को संबोधित किया। उपराज्यपाल ने कहा कि अब तक कश्मीर घाटी के हर जिले का दौरा करने और प्रत्येक मार्च में शामिल होने के बाद वह यह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि नार्को-आतंकवाद के खिलाफ एक ऐतिहासिक जन आंदोलन खड़ा हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 55 दिनों में 1,036 एफआईआर दर्ज की गई हैं, 1,128 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, 100 से अधिक संपत्तियां जब्त की गई हैं, लगभग 700 ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किए गए हैं तथा 130 नशा तस्करों के पासपोर्ट रद्द करने की सिफारिश की गई है। उन्होंने कहा कि 55 दिन पहले जम्मू की धरती से उन्होंने घोषणा की थी कि अब बहुत हो चुका। जो अभियान नशे और नार्को-आतंकवाद के खिलाफ एक लड़ाई के रूप में शुरू हुआ था, वह आज एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उपराज्यपाल ने नशे की लत से प्रभावित लोगों के उचित पुनर्वास का आश्वासन देते हुए कहा कि उपचार, परामर्श और रोजगार के अवसरों के माध्यम से उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि एक सामाजिक क्रांति है। जम्मू-कश्मीर में किसी भी नशा तस्कर या पेडलर को जगह नहीं दी जाएगी। उपराज्यपाल ने कहा कि नशे के कारोबार से प्राप्त धन का उपयोग हथियार खरीदने और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए किया जाता है। यह केवल अपराध का मामला नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और समाज के अस्तित्व का प्रश्न है। उन्होंने कहा कि चाहे

> "अब तक कश्मीर घाटी के हर जिले का दौरा कर और प्रत्येक पदयात्रा में शामिल होकर मैं यह कह सकता हूं कि नशा-तस्करी और नार्को-आतंकवाद के खिलाफ एक ऐतिहासिक जन आंदोलन खड़ा हो चुका है

पड़ोसी देशों में बैठे हों या जम्मू-कश्मीर के भीतर सक्रिय हों, नार्को-आतंकवादी जनता, युवाओं और विकास के दुश्मन हैं तथा उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

उन्होंने माताओं, बहनों और बेटियों से अपने गांवों, शहरों और मोहल्लों की रक्षक बनने तथा युवाओं से अपने स्कूलों और कॉलेजों के संरक्षक बनने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने कहा कि नार्को-आतंकवादियों के दिन गिने-चुने हैं और उनके नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जाएगा। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने 'सिंध संवाद' पॉडकास्ट श्रृंखला का शुभारंभ किया तथा नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

# अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर में विकास की कमी के लिए जिम्मेदार नहीं था : मुख्यमंत्री उमर

**श्रीनगर, 5 जून।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि अनुच्छेद 370 कभी भी जम्मू-कश्मीर में विकास की कमी का कारण नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके निरस्तीकरण के बाद भी क्षेत्र में कोई असाधारण आर्थिक परिवर्तन नहीं हुआ है।

'द हिंदू हडल' कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की विकासात्मक और आर्थिक चुनौतियां मुख्य रूप से दशकों तक चली हिंसा और अस्थिरता का परिणाम थीं, न कि उसके पूर्व विशेष संवैधानिक दर्जे का।

उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 कभी भी जम्मू-कश्मीर में विकास की कमी का कारण नहीं था और न ही इसके हटने से अचानक बड़े पैमाने पर विकास हुआ है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा कि लगभग तीन दशकों तक चली उग्रवाद की स्थिति के कारण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा, क्योंकि इससे निवेशकों और व्यापारिक संस्थानों ने जम्मू-कश्मीर में निवेश करने से परहेज किया। उमर अब्दुल्ला ने कहा, फ्रकोई भी व्यक्ति देश के उस हिस्से में अपना पैसा निवेश नहीं करेगा जिसे वह

असुरक्षित मानता हो। जम्मू-कश्मीर को घूमने या व्यापार करने के लिए असुरक्षित स्थान मानने की धारणा ने हमें नुकसान पहुंचाया, न कि अनुच्छेद 370 ने।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अनुच्छेद 370 को राजनीतिक मुद्दे के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश के अन्य हिस्सों में भी इसी प्रकार के संवैधानिक संरक्षण मौजूद हैं, लेकिन उनकी उतनी आलोचना नहीं होती।

अब्दुल्ला ने कहा कि लक्षद्वीप और पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों में आज भी भूमि खरीदने और प्रवेश संबंधी प्रतिबंध लागू हैं, लेकिन उन पर शायद ही कभी सवाल उठाए जाते हैं।

उन्होंने कहा, फ्र सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही चर्चा होती थी और इस बात को मुद्दा बनाया जाता था कि वहां जमीन नहीं खरीदी जा सकती। यही वह हथियार था जिसका इस्तेमाल हमारे खिलाफ किया गया।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किए जाने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए किन शर्तों को पूरा करना होगा। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य राज्य का दर्जा हासिल करना है, लेकिन मुझे यह नहीं पता कि उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कौन-कौन से मानदंड पूरे करने होंगे।

उमर अब्दुल्ला ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था और बेहतर होगी, क्योंकि वर्तमान केंद्र शासित प्रदेश व्यवस्था में निर्वाचित सरकार की शक्तियां सीमित हैं।

उन्होंने कहा, केंद्र शासित प्रदेश की तुलना में राज्य होना बेहतर है। हम इसी स्थिति को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं।

## खबर संक्षेप

### कार फिसलकर हलून नदी में गिरी, पंजाब के चार पर्यटक घायल

**जम्मू, 05 जून ।** शुक्रवार को डोडा जिले में भदरवाह-पठानकोट अंतरराज्यीय राजमार्ग पर एक कार के फिसलकर हलून नदी में लगभग 100 फीट नीचे गिरने से पंजाब के चार पर्यटक घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि पर्यटक एक किआ सोनेट कार में यात्रा कर रहे थे कि तभी भदरवाह कस्बे से लगभग 11 किलोमीटर दूर यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और कार सड़क से उतर गई और लगभग 100 फीट नीचे नदी में गिर गई।

पुलिस ने बताया कि पुलिस पर्यटकों के यात्रा के उद्देश्य और मार्ग की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि थंथेरा, गुलदांडा और चटरगल्ला सहित कई लोकप्रिय पर्यटन स्थल इस राजमार्ग पर स्थित हैं जो पंजाब से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण सड़क मार्ग भी है। प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद अशरफ जो सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) में काम करने वाला एक मजदूर हैं के अनुसार वाहन अचानक पहाड़ी से लुढ़क कर हलून नदी के तेज बहते पानी में जा गिरा।

अशरफ ने बताया हमने एक मिनट भी बर्बाद नहीं किया और नदी की ओर दौड़े। हमने तुरंत वाहन में फंसे चारों यात्रियों को बर्फीले ठंडे पानी से बाहर निकाला। उस ने बताया कि बीआरओ कर्मियों को तुरंत सूचित किया गया और पास के नलथी कैंप से एक एम्बुलेंस मौके पर भेजी गई। घायल पर्यटकों को भदरवाह के उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) में भर्ती कराया गया।

भदरवाह की ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. वर्षा शर्मा ने बताया कि चारों घायलों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत में सुधार हो रहा है।

# मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में कृषि ऋण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया

## केसीसी, एआईएफ, पीएमएफएमई, एचएडीपी क्रेडिट सहित विभिन्न योजनाओं की जिला-वार समीक्षा

**श्रीनगर, 5 जून।** मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने कृषि उत्पादन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जम्मू-कश्मीर में लागू विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि उत्पादन विभाग डॉ. आशीष चंद्र वर्मा, एचएडीपी के प्रबंध निदेशक, कृषि, पशुपालन, बागवानी और मत्स्य विभाग के निदेशक तथा विभिन्न जिलों के उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने कहा कि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की अपार संभावनाओं को विकसित करने के लिए सुलभ और सस्ती ऋण व्यवस्था सबसे प्रभावी साधन है।

उन्होंने जिला प्रशासन और बैंकों से योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया ताकि किसानों, उद्यमियों और उत्पादक समूहों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के तहत सभी पात्र किसानों को शामिल करने, खातों के समय पर नवीनीकरण तथा पुनर्भुगतान प्रोत्साहन राशि के शीघ्र वितरण पर बल दिया। मुख्य सचिव ने भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण वाले क्षेत्रों में यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) के तहत तेजी से ऑनबोर्डिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को वित्तीय रूप से सक्षम और बैंक ऋण के योग्य बनाने के लिए क्षमता निर्माण पर भी जोर दिया। बैठक में विभिन्न योजनाओं की जिला-वार प्रगति की समीक्षा की गई और अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक में कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ), पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ), पीएम फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (पीएमएफएमई), एचएडीपी क्रेडिट, जेकेसीआईपी क्रेडिट, राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) और पीएम-किसान जैसी प्रमुख योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में लगभग 11.57 लाख सक्रिय केसीसी खाताधारक हैं, जिनमें से लगभग 3.5 लाख किसानों ने पिछले वित्तीय वर्ष में समय पर भुगतान प्रोत्साहन का लाभ उठाया। इसके अलावा 7.99 लाख लाभार्थियों को स्मार्ट कार्ड जारी किए गए हैं तथा खरीफ सीजन के दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत 41 प्रतिशत कवरेज प्राप्त की गई। कृषि अवसंरचना कोष के तहत 680 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 431 करोड़ रुपये 392 लाभार्थियों को वितरित किए जा चुके हैं।

# पुलिस ने नशीली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई में 4 करोड़ से अधिक मूल्य की संपत्तियां, वाहन कुर्क किए

**श्रीनगर, 5 जून ।** श्रीनगर पुलिस ने शुक्रवार को शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ी संपत्तियों को लक्षित करते हुए नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत की गई अलग-अलग कार्रवाइयों में 4 करोड़ से अधिक की अचल और चल संपत्तियों को कुर्क किया। यह कार्रवाई पूरे जम्मू-कश्मीर में चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत पुलिस स्टेशन लाल बाजार और खानयार द्वारा की गई। एक मामले में पुलिस स्टेशन लाल बाजार ने सिख बाग, लाल बाजार के आदिल अहमद धोबी की नौ मरला जमीन पर बने दो मंजिला आवासीय घर को कुर्क कर लिया। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/22 और 29 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 05/2026 के संबंध में आरोपी से जुड़ी पंजीकरण संख्या जेके01यू-0980 वाली एक स्विफ्ट डिजायर वाहन को भी एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत संलग्न किया गया। लाल बाजार पुलिस की एक अन्य कार्रवाई में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 50/2025 के संबंध में हाका बाजार के अर्शीद अहमद शेख की पंजीकरण संख्या डीएल4सीएपी - 6047 वाली एक सैंट्रो वाहन संलग्न किया गया। इस बीच खानयार पुलिस स्टेशन ने तंगबाग, खानयार के ओवैस हुसैन मीर की लगभग 2 करोड़ कीमत की 12 मरला जमीन के साथ एक दो मंजिला आवासीय घर कुर्क कर लिया।

# 'खेत बचाओ अभियान' से जुड़े 9.42 लाख से अधिक किसान

**नई दिल्ली, 05 जून।** कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत अब तक 9.42 लाख से अधिक किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जोड़ा जा चुका है।

अभियान के तहत देशभर में अब तक 17,834 जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें लगभग 6.983 लाख किसानों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त 3,698 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 1,57,438 प्रतिभागियों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा वैज्ञानिक खेती की तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई।

शुक्रवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस अभियान के तहत किसानों को व्यवहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8,850 प्रदर्शनों (डेमोंस्ट्रेशन) का आयोजन किया गया, जिनमें जैविक एवं वैकल्पिक पोषक स्रोतों के उपयोग तथा समेकित पोषक तत्व प्रबंधन संबंधी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

अभियान के अंतर्गत पंचायत स्तर तक जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए 5,237 पंच, सरपंच एवं जिला परिषद सदस्यों को भी जोड़ा गया। वहीं, उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के संदेश को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए 9,609 इनपुट डीलरों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों तथा किसान हित समूहों के माध्यम से भी अभियान को मजबूती मिली है। अब तक 8,383 किसान-सदस्यों ने इन कार्यक्रमों में भाग लेकर वैज्ञानिक पोषक प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की है। मंत्रालय ने बताया कि व्यापक जनसंपर्क गतिविधियों के अंतर्गत देशभर में 60,477 स्थानों पर बैनर, पोस्टर एवं होर्डिंग्स प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही 1,027 रेडियो एवं सामुदायिक रेडियो वार्ताओं तथा 240 टीवी एवं डिजिटल मीडिया कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों और आमजन तक अभियान का संदेश पहुंचाया गया।

# कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मीना कुमारी सहित सात विशेषज्ञ सम्मानित

**नई दिल्ली, 05 जून ।** राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के 33वें स्थापना दिवस के मौके पर कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर काम करने वाले विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। पत्रकार एवं स्कॉलर डॉ. मीना कुमारी को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एपी शिंदे सिम्पोजियम हॉल में आयोजित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के 33वें स्थापना दिवस समारोह में पद्म पुरस्कार विजेता एवं एनएएएस फेलो डॉ. पीएल गौतम, डॉ. अशोक के सिंह, किसान प्रतिनिधि श्रीरंग देवबा लाड, उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्तित्व डॉ. मीनेश शाह और दिलीप संघानी सहित मीडिया क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार संजीब मुखर्जी को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर एनएएएस-यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड और एनएएएस-धनुका अवॉर्ड भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अशोक के. सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जबकि डॉ. बीएस द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में अकादमी के अध्यक्ष डॉ. एमएल जाट ने कहा कि विज्ञान, उद्योग, मीडिया और किसान समाज के चार ऐसे स्तंभ हैं, जिनके समन्वय से ही कृषि क्षेत्र का समग्र विकास संभव है। सम्मानित सभी व्यक्तित्वों ने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर इस सेतु को मजबूत बनाया है।

### कृषि मंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सामूहिक प्रयासों की अपील की

**श्रीनगर, 5 जून।** कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता और निर्वाचन विभाग के मंत्री जाविद अहमद डार ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक है और इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि यह दिवस प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने की हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है।

उन्होंने किसानों, युवाओं, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक समाज से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

उन्होंने सरकार द्वारा चलाए जा रहे सतत कृषि, जल संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के प्रयासों की भी जानकारी दी।

# पुतिन ने भारत को सु-57 लड़ाकू विमान कार्यक्रम में नई साझेदारी की पेशकश की

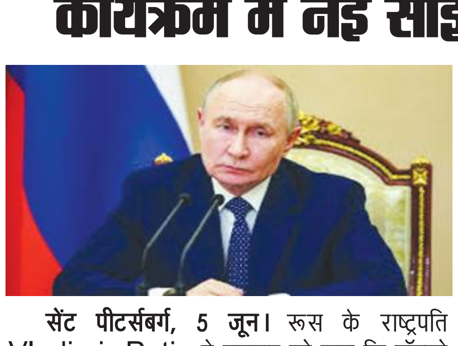

**सेंट पीटर्सबर्ग, 5 जून।** रूस के राष्ट्रपति Vladimir Putin ने गुरुवार को कहा कि मॉस्को भारत के साथसु-57 पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान कार्यक्रममें सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है। इसमें इस उन्नत लड़ाकू विमान की आपूर्ति के साथ-साथ इसके आगे के विकास में साझेदारी भी शामिल है। यह बयान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक गहरा करने का संकेत माना जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बातचीत करते हुए पुतिन ने कहा कि रूस ने पहले भी भारत को सु-57 कार्यक्रम में संयुक्त रूप से काम करने का प्रस्ताव दिया था और भविष्य में भी सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, जहां तक सु-57 का सवाल है, एक समय हमने अपने भारतीय मित्रों को इस तकनीक पर साथ काम करने का प्रस्ताव दिया था। इस विमान को दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा, यह पांचवीं पीढ़ी की तकनीक है और मेरी राय में वर्तमान समय में यह दुनिया का सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू विमान है।राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उस समय भारत ने कार्यक्रम में तत्काल शामिल होने के बजाय इसकी प्रगति का अवलोकन करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा, तब हमारे भारतीय मित्रों ने कहा था कि आप पहले इसे स्वयं आगे बढ़ाइए, फिर हम देखेंगे और संभव है कि बाद में इसमें शामिल हों।

# उपराज्यपाल ने माता खीर भवानी मंदिर में यात्री भवन का उद्घाटन किया

**श्रीनगर, 5 जून।** उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज गांदरबल के तुलमुला स्थित माता खीर भवानी मंदिर में यात्री भवन का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि नया यात्री भवन श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक आवास उपलब्ध कराकर तीर्थयात्रा के अनुभव को बेहतर बनाएगा।

माता खीर भवानी मंदिर जम्मू-कश्मीर के सबसे श्रद्धेय धार्मिक स्थलों में से एक है। यह श्रीनगर से लगभग 25 किलोमीटर तथा गांदरबल से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है।

विशेष रूप से वार्षिक मेला खीर भवानी और ज्येष्ठ अष्टमी के अवसर पर हजारों श्रद्धालु, जिनमें कश्मीरी पंडित समुदाय के लोग भी

शामिल होते हैं, यहां दर्शन के लिए आते हैं।

वर्ष 2023 में विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने उपराज्यपाल से यात्री भवन निर्माण की मांग की थी। इसके बाद ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के ग्रामीण अभियंत्रण विंग ने योजना तैयार की और वर्ष 2024 में उपराज्यपाल ने इसकी आधारशिला रखी।

उपराज्यपाल ने कहा कि माता खीर भवानी के आशीर्वाद से उन्होंने ज्येष्ठ अष्टमी 2024 को इसकी नींव रखी थी। यह परियोजना देश और विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ाएगी।

यह भवन लगभग 3.85 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है और इसमें लगभग 800 से 900 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था है। उद्घाटन से पहले उपराज्यपाल ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर शांति, समृद्धि और सभी के कल्याण की कामना की।

एक बटन दबाते ही एलियंस के बीच, ड्रेगन की सवारी, खजाने की खोज और न जाने क्या-क्या मजेदार चीजें। बोरियत से परेशान होकर जब तुम वीडियो गेम्स खेलना शुरू करते हो तो समय कब बीत जाता है तुम्हें पता ही नहीं चलता। तो आज इनके बारे में कई और बातें जान लो...

# रोमांच से भरपूर वीडियो गेम्स

दोस्तों, वीडियो गेम बनने के पीछे काफी मेहनत होती है। अगली बार जब भी तुम वीडियो गेम ऑन करो, एक बार जरूर इनके बनने की प्रक्रिया के बारे में सोचना। कई महीनों की प्लानिंग और तैयारी, स्क्रिप्ट राइटिंग, कास्टिंग, कैरेक्टर डेवलपमेंट, कंप्यूटिंग पावर आदि के बाद वीडियो गेम बनकर तैयार होता है।

## पहले बनती है कहानी

हर गेम किसी कहानी पर आधारित होता है। कभी-कभी गेम डिजाइनर्स अपने आइडियाज से ही गेम बनाने की शुरुआत कर देते हैं। एक बार जब विषय चुन लिया जाता है, फिर इसी स्टोरीबोर्ड पर कलाकार और लेखक काम करना शुरू कर देते हैं। इस स्टोरीबोर्ड में तकनीकी निर्देश और स्केच होते हैं, जिन्हें सीक्वेंस में सजाया जाता है और विजुअलाइजेशन फाइनल की जाती है।

## फादर ऑफ वीडियो गेम

वर्ष 1951 में टेलीविजन सेट बनाने वाले इंजीनियर रॉल्फ बेयर के दिमाग में एक विचार आया कि अगर कोई गेमप्ले एलिमेंट टीवी से जोड़ दिया जाए तो काफी मजेदार होगा। पर उनके इस विचार से उनके बॉस सहमत नहीं हुए और इंकार कर दिया। उस वक्त तो बेयर ने भी इस प्लान को अपने दिमाग में ही दफना दिया, पर 15 वर्ष बाद न्यूयॉर्क सिटी के एक बस टर्मिनल पर बैठे-बैठे टीवी गेम्स के लिए कुछ आइडियाज उन्होंने नोट किए। पांच दिन के बाद इस पर योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू हुआ और करीब डेढ़ महीने बाद 20 अक्टूबर 1966 को वे अपने पहले वीडियो गेम का मजा ले रहे थे। सबसे पहले होम वीडियो गेम्स का आविष्कार करने वाले बेयर को ही वीडियो गेम्स का जनक यानी फादर कहा जाता है।

## पहले के वीडियो गेम्स

सिक्के से चलने वाले वीडियो गेम्स वर्ष 1970 में आए, जिनमें कंप्यूटर स्पेस और पोंग ने काफी लोकप्रियता हासिल की थी। अभी बाजार में पॉपुलर गेम कंसोल का बोलबाला है, जिसमें निनटेंडो वी, माइक्रोसॉफ्ट एक्सबॉक्स 360 और सोनी प्लेस्टेशन 3 आते हैं।

## बनाया रिकॉर्ड...

तुम भी तो वीडियो गेम के लिए पागल होगे। बंक मारकर वीडियो गेम खेला होगा जरूर...। मम्मी की डांट एक कान से सुन दूसरे से बाहर निकालना तो तुम्हारे लिए आम बात है। गिफ्ट्स में भी मिले होंगे ढेर सारे और खुद तो पॉकेटमनी से पता नहीं कितने ही खरीद डाले होंगे तुमने। लाइब्रेरी है क्या...वीडियो गेम्स की, अगर नहीं तो बना डालो न।

न्यूयॉर्क स्थित बफेलो निवासी 12 वर्षीय माइकल थॉमसन ने वीडियो गेम कॉस्मिक एवेंजर खरीदा था। पहला वीडियो गेम उपहार के रूप में दादा-दादी ने दिया, फिर तो न जाने कितने ही खरीद लिए उन्होंने। चाहे वह कैसेट, कार्टिज या लेजर डिस्क के रूप में हो या फिर कन्सोल में। उनके पास एक्सबॉक्स, प्लेस्टेशन्स, कैसीनो लूपी जैसे गेम्स भी हैं। आज युवा माइकल के पास 10,607 वीडियो गेम का कलेक्शन है। उन्होंने बफेलो स्थित अपने घर के बेसमेंट में वीडियो गेम की लाइब्रेरी बना ली है। जब गिनीज बुक संस्था को यह पता चला तो वहां के अधिकारी माइकल की लाइब्रेरी में आए और उन्हें गेमिंग एडीशन में विश्व रिकॉर्ड बनाने का सर्टिफिकेट सौंपा।

## 2डी व 3डी वीडियो गेम

2डी और 3डी का मतलब समझते होगे तुम... 2डी यानी 2 डाइमेंशनल जिसमें चौड़ाई और लंबाई हो, पर 3डी इमेज की गहराई यानी 3 डाइमेंशनल तस्वीर दिखाती है, जो बिल्कुल सच लगती है। 2डी गेम्स बस एक ड्राइंग की तरह होती है, जबकि 3डी इमेज की तुलना हम किसी भी स्कल्पचर से आसानी से कर सकते हैं। गेम्स की दुनिया में 3डी तकनीक को इसीलिए अपनाया गया ताकि प्लेयर्स इस रियलिटी वर्ल्ड में जा सकें। 3डी गेम्स में अवतार को तुम ज्वॉयस्टिक से कंट्रोल कर सकते हो, जबकि 2डी में अवतारों को नियंत्रित करने के लिए केवल डिजिटल पैड्स होते हैं।

3डी गेम्स को खेलते समय तुम उसी दुनिया में खुद को महसूस करोगे, क्योंकि यह बिल्कुल रियल इमेज बनाती है, जबकि 2डी गेम्स में प्लेयर्स को बस एक फ्लैट धरातल होता है और उतनी गहराई नहीं होती है।

## प्ले स्टेशन ने बदली दुनिया

कुछ साल पहले लॉन्च हुए इस सिस्टम का जादू सभी के सिर चढ़कर बोला। करोड़ों में इसकी यूनिट की खरीदारी हुई। बड़ी स्क्रीन, शानदार मल्टीमीडिया सिस्टम और वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी इसकी खासियत हैं। इसे लगभग हर प्ले स्टेशन के साथ खेला जाता है। मॉन्स्टर हंटर फ्रीडम 3 इसका सबसे लोकप्रिय गेम है, जिसकी 50 लाख से अधिक कॉपी बिक चुकी हैं। इसके शानदार पिक्सल हैं, साथ ही बड़े स्क्रीन के कारण गेम का मजा दोगुना हो जाता है।

## वीडियो गेम अच्छा या बुरा

वीडियो गेम की यात्रा यूनिवर्सिटी से प्रयोगशालाओं और फिर हमारे लिविंग रूम तक पहुंच गई है। प्रतिदिन खेलते हो न वीडियोगेम? एक शोध से यह सामने आया है कि जो बच्चे हर रोज एक घंटे से कम समय के लिए वीडियो गेम खेलते हैं, वे गेम नहीं खेलने वाले बच्चों की तुलना में किसी माहौल में आसानी से ढल जाते हैं। लेकिन जो बच्चे तीन घंटे से ज्यादा समय वीडियो गेम्स को देते हैं, उनमें अच्छा विकास नहीं देखा गया है। वे मिलनसार नहीं होते हैं।

## कितनी तरह की गेमिंग

तुम जितने भी गेम खेलते हो, वे गेमिंग सिस्टम दो तरह के होते हैं। पहला पोर्टेबल गेमिंग सिस्टम और दूसरा होता है गेमिंग कंसोल सिस्टम। पोर्टेबल गेमिंग सिस्टम वो होता है, जिसे स्मार्ट फोन या टैबलेट कंप्यूटर पर खेला जाता है। इन्हें किसी कंप्यूटर या किसी अन्य डिवाइस से जोड़ने की जरूरत नहीं होती। हां, हम जानते हैं इसकी छोटी स्क्रीन तुम्हें कभी-कभी अच्छी नहीं लगती। मगर ये भी तो देखो कि इसकी पिक्चर क्वालिटी कितनी अच्छी होती है और साउंड इफेक्ट कितना जानदार होता है। रेंजर स्विच ब्लेड, वाई यू, पोर्टेबल निटेंडो आदि इसी तरह के गेमिंग सिस्टम हैं। पोर्टेबल गेमिंग कंसोल गेम की कीमत 3 हजार से शुरू होती है। गेमिंग कंसोल सिस्टम में तुम बड़ी स्क्रीन का फायदा उठा सकते हो यानी कि इसे टीवी के साथ जोड़ सकते हो। इसके कंसोल में चाहो तो डिस्क लगा सकते हो या फिर खास तरह के कैसेट भी। अब नए जमाने के कंसोल मेमोरी कार्ड का विकल्प भी लिए हुए हैं।

## बिना चश्मे खेलो और नचाओ...

इन दिनों निटेंडो 3 की धूम है, जिसमें ऑटोस्टीरियोस्कोपिक तकनीक के जरिए 3डी इफेक्ट पैदा किया गया है और वह भी बिना चश्मा पहने। इसके निंटेंडॉग्स एंड कैट्स तथा लेजेंड्स ऑफ जेल्डा जैसे गेम बहुत लोकप्रिय हैं। वहीं तुम गेम को अपनी उंगलियों पर नचा सकते हो काइनेक्ट से। इसे एक्स बॉक्स 360 के साथ जोड़कर इस्तेमाल किया जाता है। माइक्रोसॉफ्ट का काइनेक्ट एक मोशन सेंसिंग इनपुट डिवाइस है। इसमें सेंसर डिवाइस का मतलब है अपने आस-पास की हरकतों को समझने वाली मशीन। मार्च 2011 में लॉन्च किए जाने के बाद से इसने वीडियो गेमिंग की दुनिया बदलकर रख दी है। वजह यह है कि इसे इस्तेमाल करने के बाद गेम खेलने के लिए किसी स्टिक का इस्तेमाल करने या कंसोल के बटन दबाने की जरूरत नहीं रह जाती। किसी भी गेम को खेलने के लिए अपने हाथ-पैरों से इशारा कीजिए, सेंसिंग डिवाइस तुम्हारी गतिविधियों से ही कमांड ले लेगा।

# बड़े पेड़ को भी गिरा सकता चिड़िया का घोंसला!

शायद ही आप कल्पना कर पाएं कि चिड़िया का घोंसला भी पेड़ों के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन गौरेया प्रजाति की एक चिड़िया ऐसा घोंसला बनाती है जो किसी विशाल पेड़ को गिरा सकता है? निश्चित ही आप इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे होंगे। वास्तव में अफ्रीका में पाई जाने वाली चिड़ियों की एक प्रजाति का सामाजिक ताना बाना इतना सघन होता है और वे मिलकर इतने विशाल घोंसले का निर्माण करती हैं कि कई बार पेड़ उसके भार से गिर जाते हैं। अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में पाई जाने वाली गौरेया प्रजाति की यह चिड़िया झुंड में रहते हुए अपने लिए एक ही घोंसला बनाती है। ठीक वैसे ही जैसे इंसान कॉलोनी बसाते हैं। एक घोंसले में 500 चिड़ियों का समूह रह सकता है। इन घोंसलों के आकार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका वजन 900 किलो से भी ज्यादा हो सकता है। कई बार इन घोंसलों की लंबाई 20 फुट और चौड़ाई 13 फुट तक होती है। इसकी मोटाई भी सात फुट तक होती है। सोशल वीवर यानी सामाजिक बुनकर नाम से जानी जाने वाली ये चिड़ियाएं घोंसले के अंदर घास, पंख और रूई इत्यादि का उपयोग कर अलग-अलग कमरों का निर्माण करती हैं। सर्दियों में एक कमरा तीन से चार पक्षियों को गर्म स्थान प्रदान करता है। बारिश का पानी भी घोंसले में नहीं ठहरता। इन चिड़ियाओं के घोंसले की एक और बात बेहद दिलचस्प है, वो यह है कि घोंसले के अंदर बने कमरे कभी भी आपस में जुड़े नहीं होते। हर कमरे में जाने का अलग रास्ता होता है। इस तरह बड़े झुंड में इन चिड़ियाओं के रहने का एक मुख्य कारण सुरक्षा है। झुंड में रहने से किसी शिकारी का खतरा कम होता है।

# पेड़-पौधे भी करते हैं बातें!

मनुष्यों की तरह पेड़-पौधे भी आपस में बातें करते हैं। एक वैज्ञानिक ने खोज के तहत पौधों के बीच संचार के एक नए रूप की खोज की है, जिसमें वे एक दूसरे के साथ असाधारण अनुवांशिक जानकारियों को साझा करते हैं। वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड लाइफ साइंस के प्रोफेसर जिम वेस्टवुड ने कहा, कि इस खोज से विश्व के निर्धन देशों में फसलों पर कहर बरपा रहे परजीवी घासों से भी लड़ने में मदद मिलेगी। वेस्टवुड ने एक परजीवी पौधा दोदर और उसके दो पोषक पौधों अरबिडॉप्सिस और टमाटर के बीच के संबंधों की पड़ताल की। दोनों प्रजातियों के बीच आरएनए के परिवहन की जानकारी उन्हें पहले ही हो चुकी थी। नए अध्ययन में उन्होंने पाया कि इस परजीवी संबंध के दौरान पोषक पौधे और परजीवी पौधे के बीच हजारों संदेशवाहक (एम) आरएनए अणुओं का आदान-प्रदान होता है, जिसके माध्यम से दोनों प्रजातियों के बीच खुली बातचीत संभव हो पाती है। इस आदान-प्रदान द्वारा परजीवी पोषक पौधे की गतिविधियों पर नियंत्रण कर लेता है। इस तरह वह परजीवी से लड़ने

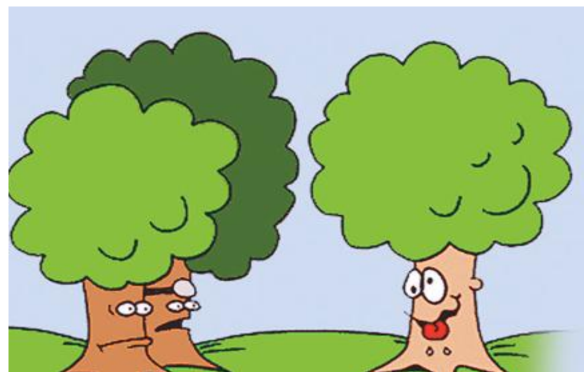

की पौधे की सुरक्षा शक्ति को खत्म कर देता है और आसानी से पौधे पर नियंत्रण कर उसे खत्म कर देता है। वेस्टवुड ने कहा, कि अंतरजीवी संपर्क की खोज से पता चलता है कि हम जितना सोच रहे थे, उससे ज्यादा ही गतिविधियां होती हैं। उन्होंने कहा, कि खोज की सबसे बड़ी बात यह है कि इससे फसल को नुकसान पहुंचाने वाले परजीवियों के खात्मे में मदद मिल सकती है।

# बढ़ाओ ज्ञान... एक क्लिक पर

दोस्तों, पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अगर एक ही जगह बैठे-बैठे तुम्हें देश-दुनिया के बारे में भी दिलचस्प जानकारी मिल जाए तो कितना बेहतर होगा। हम तुम्हें आज एक ऐसी ही वेबसाइट के बारे में बता रहे हैं, जहां क्लिक करते ही तुम्हें पढ़ाई में मदद मिलने के साथ-साथ देश-दुनिया के बारे में भी ढेर सारी जानकारियां मिल जाएंगी। कैसे, बता रहे हैं -

क्यूरिओसिटी डॉट डिस्कवरी डॉट कॉम नामक एक वेबसाइट जानकारियों का खजाना है। इस वेबसाइट पर इतना कुछ है कि तुम नई-नई चीजों के बारे में पढ़ते हुए और सर्च करते हुए थक जाओगे, लेकिन यहां पर नई-नई जानकारियां खत्म होने का नाम नहीं लेंगी। वेबसाइट पर क्लिक करते ही तुम्हें लोगों, जानवरों और दुनिया की तमाम खास जगहों के बारे में दिलचस्प जानकारी मिल जाएगी। इनके बारे में पढ़ने से तुम्हें मजेदार तथ्यों के बारे में जानने को तो मिलेगा ही, तुम्हारे ज्ञान में भी काफी बढ़ोतरी होगी, जो भविष्य में तुम्हारे काफी काम आएगी।

## हर विषय की है जानकारी

तुम जैसे स्कूल गोइंग स्टूडेंट्स के लिए इस वेबसाइट पर तुम्हारे विषय से संबंधित भी काफी जानकारी है। बात चाहे गणित के सवाल हल करने की हो या फिर इतिहास के बारे में रोचक तथ्य जानने की या फिर भूगोल की अहम जानकारियां। ये सभी एक क्लिक पर तुम्हें आसानी से मिल जाएंगी। इन सबके अलावा विज्ञान के प्रोजेक्ट और अंतरिक्ष में हो रही हलचल के बारे में भी रोचक जानकारियों का खजाना है यह वेबसाइट।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

# प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले माफिया से सजग रहें: मुख्यमंत्री

**▶▶सीएम ने कहा- कोई टोंटी चोरी कर रहा, कोई पानी बहा रहा, ऐसे लोगों को टोकें**
**▶▶मुख्यमंत्री ने किया जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर संगोष्ठी का शुभारंभ**
**▶▶विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशवासियों को 5 संकल्प दिलाए सीएम योगी ने**

**लखनऊ, 5 जून।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से प्रकृति व जलस्रोतों को नुकसान पहुंचाने वाले भूमाफिया, वन माफिया, खनन माफिया व स्मगलरों के प्रति सजग रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सजग नागरिकों का दायित्व है कि मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करें। सीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशवासियों को पांच संकल्प भी दिलाए। इसमें एक पेड़ मां के नाम लगाना, शरारती तत्वों व जीव-जंतुओं से पेड़ों की सुरक्षा, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करना और प्रकृति के अनुरूप जीवन शैली अपनाना शामिल है। सीएम ने कटाक्ष किया कोई टोंटी चोरी कर रहा है, कोई पानी बर्बाद कर रहा है, ऐसे लोगों को टोकें। जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं, कोशिश हो कि पानी व्यर्थ न हो।सीएम योगी ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान' संगोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया, बच्चों को चॉकलेट दीं और आमजन को कपड़े के झोले देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सीएम ने बच्चों के साथ सेल्फी ली और वृक्ष कलश में जल भी अर्पित किया।

अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है यानी जीवन चक्र एक-दूसरे के साथ जुड़ा है। फिर भी हमने इसकी सर्वाधिक उपेक्षा की। 40 से ऊपर हर व्यक्ति महसूस करता है कि पर्यावरण के साथ हुए खिलवाड़ की कीमत को दुनिया किस रूप में चुका रही है। 25 वर्ष पहले और वर्तमान मौसम चक्र में एक से डेढ़ महीने का अंतर आ गया। भारत व उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है। मौसम चक्र में अंतर से सर्वाधिक प्रभावित किसान होगा।

# जेकेएएसीएल ने अटीना बडगाम में पंजाबी कवि दरबार का आयोजन किया

**श्रीनगर, 5 जून।** जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) ने आज बडगाम जिले के अटीना, बीरवाह में एक पंजाबी कवि दरबार का आयोजन किया, जिसमें स्थानीय साहित्य प्रेमियों और युवाओं ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम में पॉपिंदर सिंह पारस (संपादक, शीराज़ा पंजाबी), एस. प्रह्लाद सिंह, मास्टर टी.पी. सिंह सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में पंजाबी भाषी लोग भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्वागत संबोधन में एस. प्रह्लाद सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जकेएएसीएल की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन पंजाबी भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक धरोहर को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पॉपिंदर सिंह पारस ने अपने संबोधन में कहा कि अकादमी जम्मू-कश्मीर में विशेषकर दूरदराज क्षेत्रों में पंजाबी साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाबी भाषी आबादी वाले क्षेत्रों में साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस अवसर पर कई प्रसिद्ध कवियों और साहित्यकारों जैसे पॉपिंदर सिंह वैद, नानक सिंह, मनजीत सिंह रैना, कुलवंत सिंह विक्की, हरप्रीत सिंह, अर्शदीप सिंह, कृपाल सिंह, सूरज सिंह आदि ने अपनी पंजाबी कविताएं प्रस्तुत कीं, जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल में हुआ और प्रतिभागियों ने जकेएएसीएल द्वारा स्थानीय कवियों को मंच प्रदान करने और पंजाबी साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आभार व्यक्त किया।

# परिवहन आयुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क सुरक्षा उपायों की समीक्षा की

**श्रीनगर, 5 जून।** परिवहन आयुक्त जम्मू-कश्मीर विशेश पॉल महाजन ने बानीहाल स्थित एनएचएआई बैठक कक्ष में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा (एसएएनजेवाई)-2026 को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क सुरक्षा उपायों को मजबूत करना था। बैठक में परिवहन विभाग, नागरिक प्रशासन, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और प्रवर्तन शाखा के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सुरक्षित और सुचारू यातायात संचालन, तीर्थयात्रियों की निर्बाध आवाजाही, समन्वित प्रवर्तन कार्रवाई, ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग पर सख्त कार्रवाई, आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली की तैनाती तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने पर चर्चा की गई। परिवहन आयुक्त ने सड़क सुरक्षा ऑडिट नियमित रूप से करने, दुर्घटना संभावित स्थानों की समय पर पहचान और सुधार तथा सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सर्वोत्तम उपाय अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने एनएचएआई अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजमार्ग निगरानी केंद्रों और चेक पोस्टों पर उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज तथा तकनीकी डेटा मोटर वाहन विभाग के साथ साझा किया जाए। उन्होंने कहा कि वास्तविक समय निगरानी और तकनीक के एकीकरण से ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग और अन्य उल्लंघनों पर प्रभावी कार्रवाई संभव होगी तथा यात्रा के दौरान यातायात सुचारू रहेगा। इससे पहले परिवहन आयुक्त ने जिला उपायुक्त रामबन मोहम्मद अलीयास खान, एसएसपी अरुण गुप्ता और अन्य अधिकारियों से बातचीत की।


**उत्तर रेलवे**

**ई-नीलामी सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदातायों से फिरोजपुर मंडल में ई-नीलामी में आमंत्रित किया जाता हैः

| SN | Catalogue No. | Nature of contract |
|---|---|---|
| ई-नीलामी की तिथिः 18.06.2026 | | |
| 1 | EAFZR-MIS26-12 | अमृतसर रेलवे स्टेशन पर निम्नलिखित कार्य के लिए ठेके का आबंटनः क) ट्रेवेल हेल्प डेस्क के लिए कियोस्क की स्थापना और संचालन। ख) पूजा सामग्री की बिक्री के लिए कियोस्क की स्थापना और संचालन। ग) रेल कोच रेस्तरां का नवीनीकरण और संचालन। |
| ई-नीलामी की तिथिः 22.06.2026 | | |
| 2 | EAFZR-CTG26-5 | फगवाड़ा रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टाल के लिए ठेके का आबंटन। |

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जाएं।
सं.: NR-FZR0COML(NFR)/18/2024 दिनांकः 04.06.2026 1917/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



**उत्तर रेलवे**

**ई-निविदा सूचना**

निविदा सूचना संख्या No 770-W/01/WA/JAT/2025 10-2026-27-PTK-DRM-JAT, (to be opened on 26.06.2026) भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए नीचे दिए गए शीर्षक वाली निविदाओं के विरुद्ध खुली निविदाएं ई-निविदाएं आमंत्रित करती हैं और पर उपलब्ध हैं जिनकी अंतिम तिथि 26.06.2026 को 15 बजे तक है। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे, इन निविदाओं के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के विरुद्ध निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग डेबिट कार्ड क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है।

| क्र.सं. | निविदा संख्या | निविदा का विवरण | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 10-2026-27-JAT-DRM-JAT | सहायक मंडल अभियंता पठानकोट के अधिकार क्षेत्र में पठानकोट रेलवे कॉलोनी में पुराने स्टील ओवरहेड जल टैंक के स्थान पर 01 संख्या 225 केएल क्षमता के आर.सी.सी. ओवरहेड जल टैंक का निर्माण तथा उससे संबंधित प्लंबिंग पाइपलाइन, पंप हाउस, बोरवेल आदि का प्रावधान। | | |
| | | विज्ञापित मूल्य (रु.) | ऑफर की वैधता | समाप्ति की अवधि |
| | | 10975829.21 | 60 दिन | 06 माह |

नोटः 1) ठेकेदारों को सलाह दी जाती है कि वे बोलियां प्रस्तुत करने से पहले इस निविदा के विरुद्ध जारी किसी भी शुद्धिपत्र के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट देखें। 2) यदि हिंदी विज्ञापन में कोई त्रुटि पाई जाती है, तो अंग्रेजी विज्ञापन मान्य होगा। 1923/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


# विश्व पर्यावरण दिवस पर बसोहली में बैठक, सफाई व विकास पर जोर

**बसोहली, 05 जून (हि.स.)।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर समिति बसोहली कार्यालय में विधायक दर्शन कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई तथा आवश्यक सुझाव दिए गए। विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान और 卐एक पेड़ माँ के नाम卐 कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए लोगों से हर माह स्वच्छता अभियान चलाने, घरों व दुकानों के आसपास साफ-सफाई रखने और जन्मदिन पर एक पौधा लगाने की अपील की। उन्होंने क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए अधिकारियों को उपलब्ध निधि का समुचित उपयोग करने के निर्देश दिए और अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सूखे व गीले कचरे के सही निपटान, नगर समिति के वाहनों में ही कचरा डालने तथा शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई। साथ ही जरूरतमंदों के लिए पुराने कपड़े, जूते आदि नगर समिति में जमा कराने का आह्वान किया गया।

ईओ राकेश कुमार ने बताया कि नगर समिति भवन के पुनर्निर्माण के लिए 150 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं जिसमें से 90.74 लाख रुपये में कार्य आवंटित किया गया है और जल्द निर्माण शुरू होगा। सड़कों व नालियों के कार्य हेतु 10 लाख रुपये में से 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। शहर की सुंदरता के लिए बसोहली पेंटिंग्स से दीवारों को सजाने की योजना भी तैयार की जा रही है। अंत में उपस्थित नागरिकों को नशा मुक्ति अभियान के तहत शपथ दिलाई गई और शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संकल्प लिया गया।

# अवैध खनन में लिप्त 5 वाहन जब्त

**कठुआ, 05 जून (हि.स.)।** अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने नगरी कठुआ और बिलावर अधिकार क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 5 वाहनों (3 डंपर और 2 ट्रैक्टर ट्रॉली) को जब्त किया है। यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के निर्देशन में की गई। जानकारी के अनुसार नगरी क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस टीम ने बिना वैध अनुमति अधिक मात्रा में निर्माण सामग्री ले जा रहे 3 डंपरों को पकड़ा। वहीं बिलावर क्षेत्र में पुलिस ने बिना अनुमति रेत से भरी 2 ट्रैक्टर ट्रॉली (जेके08एम-8348 और जेके08एम-7123) को जब्त किया। जब्त किए गए सभी वाहनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान एवं खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया गया है।


**उत्तर रेलवे**

**स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट के लिए आवेदन**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, जम्मू भारत के राष्ट्रपति की ओर से, नीचे उल्लिखित एसटीबीए (स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट) कार्य के लिए निर्धारित एकल पैकेट सीलबंद आवेदन आमंत्रित करते है :

| SN | स्टेशन | स्टेशन कोड | स्टेशन केटेगरी | अग्रिम धन (रुपये में) | निविदा प्रपत्र (रुपये में) | अनुबंध की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | पालमपुर हिमाचल | PLMX | NSG-4 | 10000/- | 1180/- | एक साल |
| 2 | नागरोटा सुरियन | NGRS | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |
| 3 | कॉपर लहार | KPLR | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |
| 4 | भरौली | BHRL | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |
| 5 | जखोलाहड़ी | JK | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |
| 6 | सरना | SRM | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |
| 7 | छीना | CHN | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |
| 8 | तलारा | TLRA | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |
| 9 | मिरथल | MRTL | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |
| 10 | भंगाला | BNGL | NSG-6 | 2000/- | 1180/- | तीन साल |

आवेदन पत्र केवल सीलबंद पैकेट में वाणिज्यिक शाखा, डीआरएम कार्यालय, जम्मू में दिनांक 26.06.2026 को 10:00 से 15:00 बजे के बीच प्राप्त किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए कृपया रेलवे की वेबसाइट पर जाएँ www.nr.indianrailways.gov.in Sr. Divisional Commercial Manager Northern Railway, Jammu
1937/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



**उत्तर रेलवे**

**ई-नीलामी सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/मालभाड़ा, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मण्डल में ई-नीलामी में आमंत्रण किया जाता हैः

| नीलामी सूची सं. | नीलामी शुरू होने का समय और तारीख | कार्य का नाम |
|---|---|---|
| EAFZR-SLR26-30 | 18.06.26 को 11:00 Hrs. | गाड़ियों में पार्सल स्पेस को लीस पर देने का ठेका (ट्रेन नंबर/एसएलआर कम्पार्टमेन्ट): 11058/R1, 04652/F1, 04616/F1, 14664/F1 & 14620/19 में राउंड-ट्रिप VP. |
| EAFZR-DLock-05 | 19.06.26 को 11:00 Hrs. | फिरोजपुर डिवीजन के फिरोजपुर कैंट और फगवाड़ा रेलवे स्टेशनों पर डिजिटल स्टोरेज लॉकर्स की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अनुबंध। |

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जायें। 1888/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



**उत्तर रेलवे**

**ई-निविदा सूचना**

वरिष्ठ मण्डल सकेंत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से टैंडर नं० 433-सिग-टी-19-26-27 ई. टैडरिंग के माध्यम से दिनांक 26.06.2026 को 15:00 बजे तक https://www.ireps.gov.in वेबसाईट पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवाए। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैडर डाक्यूमेंट की कीमत और ब्याना राशि जो कि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नेटबैकिंग, डैबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नही होगी।

| | | | |
|---|---|---|---|
| कार्य का नाम | S&T निम्नलिखित कार्या क संबंध में काम करता हैः (i) ADEN-II/अमृतसर क अधिकार क्षेत्र में, अमृतसर नगर निगम द्वारा जालंधर शहर-अमृतसर सेक्शन पर Km 505/4-6 और अमृतसर-पठानकोट सेक्शन पर OHE 6 9-11 पर, प्रत्येक 3.00mX2.50m आकार के दो RCC बॉक्स पुलां का निर्माण (पानी क पाइप को पार करने के लिए "पुशिंग विधि" का उपयोग करके)। (2) परियोजना की रेलवे सीमाओं के भीतर, जालंधर शहर-फिरोजपुर सेक्शन पर RCF हॉल्ट और सुल्तानपुर लोधी रलव स्टेशन के बीच Km 43/8-9 पर ROB क निर्माण क संबंध में RCC बाउंड्री वॉल (NR टाइप F-71 के अनुसार) और अन्य विविध कार्य। | | |
| टेंडर बंद करने की तिथि तथा समय | 26/06/2026 15:00 | टेंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय | 04/06/2026 15:50 |
| अनुमानित कीमत | 6908493.70 | बिडिंग आरम्भ की तिथि (आई.आर.ई.पी.एस) | 12/06/2026 |
| ब्याना राशि (रू) | 138200.00 | कार्य पूरा करने की अवधि | 06 महीने |
| नोट | निविदाकर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि के बारे में स्वयं अपडेट रखें | | |

निविदा सूचना सं०-433-सिग टी-19-26-27 बंद होने की तिथि/समयः को 26/06/2026 15:00 बजे दिनांक-04/06/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1907/26


# एसएसपी जम्मू ने जिला पुलिस कार्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

**जम्मू, 05 जून (हि.स.)।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला पुलिस जम्मू ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए जिला पुलिस कार्यालय (डीपीओ) जम्मू में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व एसएसपी जम्मू जोगिंदर सिंह ने किया जिन्होंने डीएसपी मुख्यालय जम्मू एडीओ डीपीओ जम्मू और अन्य पुलिस कर्मियों के साथ डीपीओ परिसर के भीतर पौधे लगाने में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह पहल पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को प्रोत्साहित करने और एक हरित और स्वस्थ जम्मू के निर्माण में योगदान देने के लिए शुरू की गई थी। इस अवसर पर बोलते हुए एसएसपी जम्मू ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया और भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रकृति के संरक्षण में प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।


**उत्तर रेलवे**

**ई-निविदा सूचना**

उप मुख्य इंजीनियर/पुल/कार्यशाला, उत्तर रेलवे, जालंधर छावनी के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ओपन ई-टेंडर को एकल पैकेट सिस्टम के तहत निमंत्रित किया गया है।

| क्रम सं० | निविदा सं० | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रुपये) | धरोहर राशि (रुपये) | खुलने की तिथि | IREPS पर बोली लगाने की तिथि | निविदा फार्म की लागत (रुपये) | कार्य समापन का समय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | OT-14-JRC-2026 | अप्रूव्ड ड्राइंग्स क आधार पर 3.05 मीटर से 12.2 मीटर तक के पी एस.सी स्लैब की ढलाई का कार्य करना। | 8,19,50,587.69 | 16,39,000.00 | 29.06.2026 | 15.06.2026 स 29.06.2026 | 0 | 14 महीन |

| | |
|---|---|
| निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय। | प्रत्येक के खिलाफ दिखाए गए तिथियों पर 15:00 बजे तक और उसी समय 15:00 बजे के बाद। |
| वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और डाउनलोड किया जा सकता है। | विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तरी रेलवे वेब साइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। |

No.80-W/30/Bridges/Invitation. Dated: 04.06.2026 1911/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


# विश्व पर्यावरण दिवस पर जीडीसी कठुआ में स्वच्छता व पौधारोपण अभियान

**कठुआ, 05 जून (हि.स.)।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ की 4 जेएंडके एनसीसी बटालियन द्वारा कॉलेज परिसर में स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विद्यार्थियों में सतत जीवनशैली अपनाने की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोहर लाल ने स्वयं भाग लिया। उनके साथ प्रो. राकेश सिंह, प्रो. जगदीश कुमार, प्रो. रविंदर कौर, डॉ. यश पाल शर्मा, डॉ. केहर सिंह, प्रो. पवन कुमार, प्रो. गौतम सिंह, डॉ. अनिल शर्मा, डॉ. चंदन शर्मा और प्रो. संजय चैधरी सहित अन्य फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

अभियान के दौरान परिसर के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया तथा साफ-सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ और हरित वातावरण बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने की शपथ ली। प्राचार्य डॉ. मनोहर लाल ने एनसीसी इकाई और स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए छात्रों से दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतें अपनाने का आह्वान किया।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा महिला मोर्चा का जागरूकता सेमीनार आयोजित

**कठुआ, 05 जून (हि.स.)।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा कठुआ द्वारा डीएवी कोलेजिएट स्कूल लच्छीपुर (कठुआ) में एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में हरित पहल को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुषमा महाजन ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री गीता भगत, जिला प्रभारी सुमन रैना, सह प्रभारी राधा जसरोटिया, पर्यावरण कार्यक्रम इंचार्ज रविंदर पठानिया तथा कठुआ जिला प्रभारी रेणु अंदोत्रा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री गोपाल महाजन और कठुआ जिला अध्यक्ष उपदेश अंडोत्रा की विशेष उपस्थिति रही जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने पर जोर दिया। सेमीनार के दौरान वक्ताओं ने प्लास्टिक मुक्त जीवन, वृक्षारोपण और स्वच्छता जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए तथा युवाओं को प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता, स्कूल प्रबंधन, शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

जम्मू, शनिवार 06 जून, 2026

# संपादकीय

## भावनाओं से ज्यादा सुरक्षा ज़रूरी

किश्तवाड़ ज़िला प्रशासन का श्री मचैल माता यात्रा 2026 और श्री मिंधल माता यात्रा 2026 को एक दिन के लिए रोकने का फ़ैसला, ज़िले में खराब मौसम को देखते हुए पूरी तरह से सही है और इसके लिए उन्हें जनता का समर्थन और तारीफ़ मिलनी चाहिए, क्योंकि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। आज की दुनिया में, मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली तकनीक बहुत सटीक हो गई है और अब मौसम की गंभीर घटनाओं का रियल-टाइम में पता लगाना मुमकिन हो गया है। ज़ाहिर है, ज़िला प्रशासन को आने वाले दिनों में खराब मौसम की पहले से जानकारी मिल गई होगी और इन यात्राओं को रोकने का फ़ैसला बहुत सोच-समझकर लिया गया होगा। यह बताना ज़रूरी है कि पिछले साल किश्तवाड़ और श्री माता वैष्णो देवी गुफ़ा मंदिर के रास्ते पर बादल फटने की घटनाओं से काफ़ी नुकसान हुआ था। अच्छी बात यह है कि सरकार ने पिछले साल के बुरे अनुभव से सबक लिया है। ज़िला प्रशासन का फ़ैसला समझदारी भरा और व्यावहारिक है, क्योंकि खराब मौसम की जानकारी होने के बावजूद श्रद्धालुओं को यात्रा करने की इजाज़त देने से तीर्थयात्रियों की जान और संपत्ति को खतरा हो सकता है। इंसानी जान की सुरक्षा से ज़्यादा ज़रूरी कुछ भी नहीं है, इसलिए किश्तवाड़ प्रशासन के फ़ैसले की आलोचना करना गलत होगा; बल्कि, इस फ़ैसले की तारीफ़ होनी चाहिए। कोई भी समझदार व्यक्ति इस बात से सहमत होगा कि सुरक्षा को हमेशा बाकी सभी बातों से ऊपर रखा जाना चाहिए। इन यात्राओं को एक दिन के लिए रोकना श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति सरकार के ज़िम्मेदार रवैये को दिखाता है। किसी को भी ऐसी रोक को आस्था पर पाबंदी के तौर पर नहीं देखना चाहिए, क्योंकि ये जान बचाने के लिए ज़रूरी कदम हैं। खबरों के मुताबिक, किश्तवाड़ ज़िला प्रशासन की एडवाइज़री में कहा गया है कि यह फ़ैसला मौसम के उतार-चढ़ाव से जुड़े खतरों को देखते हुए लिया गया था, जिनकी भविष्यवाणी संबंधित विभाग ने की थी। इसलिए, तीर्थयात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे तब तक सुरक्षित जगहों पर ही रहें जब तक स्थानीय प्रशासन उन्हें यात्रा के लिए आगे बढ़ने की इजाज़त न दे दे। लोगों को यह सीधी-सी बात समझनी चाहिए कि उनकी आस्था पर इस अपरिहार्य देरी का कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन जल्दबाज़ी में या सुरक्षा सावधानियों को नज़रअंदाज़ करके लिया गया कोई भी फ़ैसला नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसलिए, सभी को सलाह दी जाती है कि वे दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षित रहें। अभी यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि सरकार का फ़ैसला सिर्फ़ लोगों की जान बचाने के लिए है। इसलिए, जो लोग अक्सर तीर्थयात्रा पर जाते हैं, उन्हें संबंधित अधिकारियों की सभी सलाहों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए, क्योंकि इससे तीर्थस्थलों की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक बनती है।

# भौतिक संसाधन प्रकृति के सौंदर्य को कर रहे नष्ट

**ऋग्वेद में प्रकृति माता और ऋत ब्रह्माण्डीय व्यवस्था का आधार ( अरण्यनी सूक्त में प्रकृति को वन देवी के रूप पूजा गया है)। अथर्ववेद में पृथ्वी को माता भूमि ~ पुत्रों अहं पृथिव्या ~(भूमि सूक्त) में कहा गया है। यजुर्वेद में प्रकृति और पर्यावरण के मूल तत्व (जल, वायु अग्नि, आकाश और पृथ्वी को पंच महाभूत कहा) पर श्रीकृष्ण कहते है कि अपरा प्रकृति (जल या भौतिक) यह नाशवान है। जड़ है।**

**अरुण कुमार दीक्षित**

प्रकृति का संस्कृति से सीधा संबंध है। प्रकृति हमेशा से है। प्रकृति हर कर्ता से पहले मौजूद है। प्रकृति में परिवर्तन अर्थात पर्यावरण असंतुलित होना है। संपूर्ण विश्व के सामने पर्यावरण संतुलन की चुनौती है। विश्व में भौतिक संसाधन बढ़ें हैं। यही भौतिक संसाधन प्रकृति के अप्रतिम सौंदर्य को क्षत विक्षत कर रहे हैं। प्रकृति के सौंदर्य से मनुष्य का सौंदर्य जुड़ा है। जीवन सम्भव है। यही कारण है कि भिन्न-भिन्न जलवायु वाले देशों क्षेत्रों के मनुष्य अलग तरह के दिखाई देते हैं। मनुष्यों का रंग कहीं श्वेत है तो कहीं वे श्याम रंग के हैं। तो कहीं तांबे जैसा मनुष्यों का रंग है। किसी की आंखें सुंदर दिखती हैं। किसी देश के मनुष्य की आंखें कम खुलती हैं। किसी की आंखें मृगनयनी कही जाती हैं। किसी की नाक का सौंदर्य है। मनुष्य के शरीर प्रकृति के अनुसार विकसित होते जाते हैं।

डार्विन कहता है कि मनुष्य और बंदरो के पूर्वज एक थे। वे विकसित होकर ही मनुष्य बने । दूसरा वैज्ञानिक सिद्धान्त है कि जल में अमीबा और से मनुष्य के पूर्वज एक थे। सनातन में अवतार का विज्ञान है। पहला मत्स्य है। दूसरा कच्छप अवतार हैं। तीसरा वराह अवतार है। चौथा नरसिंह अवतार है। यह थोड़ा मनुष्य थोड़ा सिंह जैसा है। फिर वामन अवतार आया। फिर भगवान परशुराम आये। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम आये। अंत में श्रीकृष्ण को पूर्णावतार कहा गया।

गर्मी-सर्दी का सीधा प्रभाव मनुष्य के शरीर पर पड़ता है। हमारा आचरण प्रकृति अनुरूप होना चाहिए। पर ऐसा हो नहीं रहा। विज्ञान संपूर्ण प्राकृतिक नैसर्गिक नियमन को चुनौती दे रहा है। नदियां प्रदूषित हो रही हैं। नदियों का जल पीने योग्य नहीं बचा है। वैदिक सभ्यता सिंधु के तट पर विकसित हुई। वैदिक सभ्यताओं में नदियों को जल माताएं कहा गया है। भूतत्व विज्ञानी सिंधु सभ्यता को वैदिक काल के बाद का मानते हैं। सिन्धु सभ्यता में प्रकृति के अनुसार आचरण दिखाई पड़ता है। वैदिक समाज में सूर्य से चंद्रमा से अग्नि से वनस्पतियों से इंद्र से प्रार्थनाएं हैं। सूर्य प्रतिदिन उगता है मगर वह पुराना होकर नया है। वह आदि अनादि है। हम सूर्य को नमस्कार करते हैं। सूर्य चंद्रमा, पृथ्वी, जल, अग्नि, वनस्पतियों के बीच ही जीवन आनंद मय है।

ऋग्वेद में प्रकृति माता और ऋत ब्रह्माण्डीय व्यवस्था का आधार ( अरण्यनी सूक्त में प्रकृति को वन देवी के रूप पूजा गया है)। अथर्ववेद में पृथ्वी को माता भूमि ~ पुत्रों अहं पृथिव्या ~(भूमि सूक्त) में कहा गया है। यजुर्वेद में प्रकृति और पर्यावरण के मूल तत्व (जल, वायु अग्नि, आकाश और पृथ्वी को पंच महाभूत कहा) पर श्रीकृष्ण कहते है कि अपरा प्रकृति (जल या भौतिक) यह नाशवान है। जड़ है। आठ भागों में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि और अहंकार है। श्रीकृष्ण कहते हैं कि परा प्रकृति चेतन या जीव प्रकृति यह श्रेष्ठ और चेतन प्रकृति है। जो सभी प्राणियों में स्थित जीवात्मा है। प्रकृति के तीन गुण बताए गए है। सत्व गुण - पवित्रता और ज्ञान। रजो गुण - कर्म इच्छा और आसक्ति, तमो गुण - अज्ञान,आलस्य ,अनिद्रा।

वैज्ञानिकों के निष्कर्ष है कि तापमान बढ़ रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। उनका जल महासागरों में आ रहा है। अधिक ग्लेशियरों के पिघलने से महासागरों की बाढ़ के चपेट में दुनिया के देश आएंगे। उसमें भारत के भी कुछ तटीय महानगर सम्मिलित हैं। भारी प्राकृतिक विपदा होगी। तब क्या है वैज्ञानिकों की चेतावनी पर ध्यान दे रहे हैं? उत्तर आएगा नहीं। प्रकृति अपना संतुलन स्वयं बनाती है। हम सब इस ब्रह्मांड का अंश ही हैं। दिखाई भिन्न प्रकार के पड़ते हैं। तब हमारा आचरण ऋत नियमन से भरा होना चाहिए। प्रकृति ने लाखों करोड़ों वनस्पतियों को हमें दिया। उसका हमें परमात्मा को धन्यवाद देना चाहिए। मगर किसी व्यक्ति को धन्यवाद देने में भी कंजूसी करते हैं। हम प्रकृति के साथ सभी जीवों को प्रेम करना चाहिए। हम नहीं करते। प्रेम के काव्य लिखते हैं। प्रेम नही करते। हमारी श्वास प्रतिश्वांस परमात्मा की है हम उसे धन्यवाद नही करते।

हमने नदियों को कचरे से पाटने का बड़ा पुरुषार्थ किया है। इससे मछलियां विलुप्त हो रही हैं। अन्य जलीय जीव खतरे में है । अनेक विलुप्त हो गए हैं। प्लास्टिक कण इन जीवों के भीतर तक पहुंच गए हैं। आर्सेनिक, निकिल, क्रोमियम सीसा, पारा, फ्लोराइड , फिनायल प्लास्टिक जैसे प्राण घातक रसायन नदियों में डाल रहे हैं। पांच सितारा होटलों के लिए नदियों के पवित्र तटों को नष्ट कर रहे हैं। नदियों के किनारे रहने वाले जीवों का अधिकार छीन रहे हैं। अस्पतालों के नाले नदियों में डाले जा रहे हैं।

इससे अनुमान लगा सकते हैं कि हमारा भारतीय समाज और दुनिया की सभ्यता कितनी सुशिक्षित है ? सुसंस्कृत है ? वहीं अनेक लोग जिनकी कोई डिग्री नहीं। स्कूल नहीं गए। वह सभी नदियों को माता मानकर आज भी ग्रह नक्षत्रों के नियम के अनुसार प्रणाम करते हैं। स्नान करते हैं। नीराजन करते हैं। उन्हें असभ्य और गंवार कहा जाता है, जबकि इन्हीं का आचरण प्रकृति जैसा है। आदिकाल से आचरण किया है। पर्यावरण में संतुलन इनका बड़ा योगदान है। आधुनिक भारत में नदियों को पहाड़ों को वनों को अधिकतम नुकसान पहुंचा है। नदियों का हृदय स्थल बेध डाला। दिशाएं बदल दीं। पहाड़ों को बारूद से उड़ाया। वनों को समाप्त करने के लिए आधुनिक मशीन ले आये। काटना शुरू किया।

खेती को आधुनिक विषैली बनाया। रासायनिक बनाया। रसायनों से कैंसर दिया। और यह सब पढ़े-लिखों ने ही किया है। इसमें सरल अनपढ़ लोगों का कोई दोष नहीं है। वैदिक और सिंधु सभ्यता प्रकृति प्रेमी थी। पशु प्रेमी थी। वनस्पति प्रेमी थी। वह प्रकृति के साथ चले। हम सब आधुनिक यह मशीन लेकर चले। पूर्वजों ने पीपल, बरगद, तुलसी, केला, शमी, नीम, दूब ( दूर्वा) सभी का नीराजन किया। चंपा, चमेली, मनोकामिनी, गुड़हल सरसों, धतूर, जामुन, कैथा, गन्ना, पान, कमल, नील कमल, ब्रह्म कमल से इन जल माताओं की नदियों की देवताओं की आराधना की। वन देवी की आराधना की। प्रकृति की आराधना की। फूलों से प्रकृति से प्रकृति का स्वागत। किया। अहोभाव भाव प्रकट किया। प्रकृति से लिया तो वहीं उसे दे दिया। नदी में उतरे । डुबकी लगाई । आचमन किया। जल को जल से पृथक नहीं किया।

आधुनिक तथाकथित प्रगतिशीलों ने प्लास्टिक के फूल बनाये। आदमी प्लास्टिक के बनाये। लोहे के स्टील के और नाम रखा रोबोट। प्रगतिशील गदगद हैं। आधुनिक हैं। वह प्रगतिशील कहलाने में प्रसन्न होते हैं। पृथ्वी को छोड़कर ग्रहों में जीवन की संम्भावना खोजते हैं। अरबों खर्च कर हो रहे है। हम कहते है कि तुम यहां एक पेड़ सुरक्षित नहीं रख सकते। नदी साफ नहीं रख सकते। सागर-महासागर साफ नहीं रख सकते। वहां क्या करोगे। हिमालय क्षेत्र से वनस्पतियां लुप्त हो रही है। जीवन घट रहा है।

संपूर्ण प्रकृति की संजीवनी भी गल रही है। नष्ट हो रही है और इसका नाम वैश्विक रूप से विकास है। अन्ततः विनाश है। आगे ग्लोबलाइजेशन है। विज्ञान ने यह भी किया है कि संपूर्ण संसार को सात बार नष्ट करने वाले परमाणु बम बनाकर तैयार कर दिया। दुनिया तनावग्रस्त है। युद्ध में है। अब शांति खोज रहे हैं। पूरी दुनिया में शांति का रास्ता खोजने के ढोंग में है। प्रस्ताव है। मीटिंग है। सम्मेलन है। मीडिया की रिपोर्ट है। पहला पर्यावरण सम्मेलन 5 जून से 16 जून 1972 को हुआ था।

पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र का मूल वक्तव्य इस तरह है कि मानव जाति को गरिमा पूर्ण जीवन जीने के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण का मौलिक अधिकार है। वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए इसकी रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। संयुक्त राष्ट्र का यह रुख मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर है। पहला जलवायु परिवर्तन दूसरा जैव विविधता का नुकसान और तीसरा प्रदूषण से निपटने का कार्य करता है। प्रश्न है कि संयुक्तराष्ट्र की सुनता कौन है।पर्यावरण पर सम्मेलन बिना निष्कर्ष सम्पन्न हो जाते हैं। इसलिए रुको। प्रकृति को देखो। वह तुम हो। निहारो होशपूर्वक वह तुम्हारी संततियों की पालनहार है। वह ही माता और पिता है। वह परमशक्ति है। भिन्न-भिन्न रूपों में व्यक्त है। अव्यक्त भी है। वही तेजस है। ज्योतिर एकं है। उसका ही नाम परमात्मा है। सभी दिशाओं में है। उस परम आवरण को बारम्बार नमस्कार है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# अनियंत्रित पर्यटन से त्रस्त नैनीताल

**प्रयाग पाण्डे**

विश्व विख्यात हिल स्टेशन नैनीताल में मनुष्य से अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहनों का रेला उमड़ने लगा है। वाहनों की अनियंत्रित और बेतहाशा भीड़ के चलते नगर की सांसें थम सी गईं हैं। अपनी क्षमता से कई गुना अधिक बोझ ढो रही नगर की सभी सड़कें और गलियां दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट सी गईं हैं। सामान्य आवागमन भी बाधित हो गया है। पैदल चलने को रास्ते नहीं बचे हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं।

नगर में यत्र, तत्र, सर्वत्र जाम लगना आम बात हो गई है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि आम आदमी के लिए पैदल चलने की जगह ही नहीं बची है।पहले पर्यटन सीजन के दिनों कभी-कभार ऐसी स्थिति आती थी। अब यह समस्या बारहमासी हो गई है।

सुंदर प्राकृतिक झील, अनुपम सौंदर्य और स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के मद्देनजर 183 वर्ष पूर्व अंग्रेजों ने नैनीताल नगर की बसावट शुरू की थी। औपनिवेशिक शासक नैनीताल की तुलना यूरोपीय देशों से करते थे। नैनीताल का स्वच्छ और शुद्ध वातावरण एवं आबोहवा को अच्छे स्वास्थ्य के लिए आदर्श माना जाता था। अंग्रेजी शासनकाल में नैनीताल को कंट्री रिट्रीट कहा जाता था। अंग्रेज यहां के पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का विशेष खयाल रखते थे। तब नैनीताल की सुंदरता, शांति और सुरक्षा, विश्व विख्यात थी। आज यह सब खतरे में हैं। वर्तमान में नैनीताल ध्वनि एवं वायु प्रदूषण के चपेट में है।

नैनीताल जब बसा तब आने-जाने के लिए रास्तों की समुचित व्यवस्था नहीं थी। तब कालाढूंगी से पैदल नैनीताल आया जाता था। कालांतर में पुरुषों के लिए घोड़ों की सवारी और महिला यात्रियों के लिए डांडी की व्यवस्था बनाई गई।यात्रियों का सामान ढोने के लिए कुलियों का प्रबंध था। करीब चार दशक तक यह व्यवस्था बनी रही। इसी दरम्यान नैनीताल एक सुव्यवस्थित नगर के रूप में बसा और सजा- संवरा। उस दौर में मैदानी इलाकों की गर्मियों के थपेड़ों से बचने और विशुद्ध हवा की ठंडी बयार में स्वच्छंद भ्रमण के लिए सैलानी नैनीताल आते थे।

1862 में नैनीताल नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज आगरा एंड अवध की ग्रीष्मकालीन राजधानी बना। 24 अक्टूबर, 1884 को काठगोदाम रेल यातायात से जुड़ा। इसके बाद यात्रीगण काठगोदाम से ज्योलीकोट- ब्रेबरी होते हुए पैदल नैनीताल पहुंचने लगे। 1893 में नैनीताल तक तांगे पहुंच गए। अविभाजित भारत के सबसे बड़े ओहदेदार वॉयसरॉय, नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर, सेना और प्रशासन के आला अफसरान तांगों में बैठकर नैनीताल पहुंचने लगे।

1915 के आसपास मोटर मार्ग बनने के बाद काठगोदाम से नैनीताल तक मोटर लॉरी चलने लगी। लॉरी तल्लीताल तक ही आ सकती थी। नैनीताल के लचीले एवं भंगुर पर्यावरण और स्थानीय विशिष्टाओं के मद्देनजर नगर के भीतर यांत्रिक यातायात नहीं था। डांडी, झम्पानी, घोड़े और हाथ रिक्शा ही यातायात के एकमात्र मुख्य साधन थे।

नगर के बाहरी हिस्से में साइकिल चलाने के लिए नगर पालिका से लाइसेंस लेना अनिवार्य था। कार्ट रोड नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग और डिपो रोड नैनीताल-भवाली मार्ग में ही साइकिल चलाने की इजाजत दी जाती थी। 1901 में जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी 7609 थी, सिर्फ 520 बंगले और दूसरे मकानात थे, तभी नैनीताल के भार वहन क्षमता की बात होने लगी थी। अंग्रेज नैनीताल के नाजुक पर्यावरण के मद्देनजर यहां निश्चित सीमा से अधिक आबादी को बसाने के सख्त खिलाफ थे। कुमाऊं के तत्कालीन कमिश्नर कैप्टन ए. डब्ल्यू. इबट्सन ने 19 जुलाई, 1929 को नगर पालिका नैनीताल की वार्षिक रिपोर्ट में लिखी एक टिप्पणी में कहा था- इस समय नैनीताल की एक स्वास्थ्यप्रद नगर की छवि है पर भविष्य में इस छवि को बनाए रखने में कुछ जटिल समस्याएं नजर आ रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह नगर अति इंसानों से भर गया है। जब कैप्टन इबट्सन ने यह टिप्पणी की, उस दौर में नैनीताल की आबादी करीब 12 हजार थी।

1937 में नगर पालिका ने नैनीताल की मालरोड में नियंत्रित यांत्रिक यातायात की अनुमति प्रदान कर दी। तब नगर पालिका के अध्यक्ष या सचिव की पूर्वानुमति से विशेष परिस्थितियों में तल्लीताल से सचिवालय (वर्तमान उत्तराखंड उच्च न्यायालय) तक ही वाहन आ-जा सकते थे। 1938 में नगर पालिका ने मालरोड में वाहनों की अधिकतम गति सीमा दस मील प्रति घंटा तय कर दी थी। मालरोड में यांत्रिक यातायात की अनुमति दिए हुए दो साल भी नहीं बीते थे भू-वैज्ञानिकों ने मालरोड के अतिरिक्त अन्य स्थानों में वाहनों की आवाजाही का विरोध करना प्रारंभ कर दिया था। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के तत्कालीन अधीक्षक ए. एल. कॉल्सन ने 5 अगस्त, 1939 की अपनी एक रिपोर्ट में नैनीताल नगर के भीतर वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगाने की सिफारिश की। 22 जनवरी,1942 को नगर पालिका ने मालरोड में दस पैडल रिक्शे चलाने की अनुमति दी। तब मालरोड में यातायात के नाम पर यही सिर्फ दस पैडल रिक्शे चला करते थे।

साल 1947 में भारत आजाद हो गया। अंग्रेज अपने वतन लौट गए। वह संरक्षणवादी नीतियों को भी अपने साथ ले गए। आजादी के करीब दो दशकों तक मामूली शिथिलताओं के साथ ब्रिटिशकालीन व्यवस्थाओं का अक्स बना रहा। नगर पालिका के तत्कालीन सदस्य चन्द्रलाल साह द्वारा 5 दिसंबर,1966 को बोर्ड की बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव संख्या-दो के जरिए मालरोड में कार और भारी वाहनों के चलने पर पाबंदी लगाने की मांग की गई। यह प्रस्ताव स्थगित हो गया । 1980 के दशक तक भी नगर में यांत्रिक यातायात नियंत्रित संख्या में था। मारुति संस्कृति आने के बाद नैनीताल का पूरा परिदृश्य बदल गया।

नैनीताल नगर में मोटर मार्ग बाजार क्षेत्र, अश्व मार्ग और पैदल मार्ग सहित सड़कों की कुल लंबाई करीब एक सौ किलोमीटर के आसपास है। इसमें वाहन चालित सड़कों के रूप में मान्य सड़कों की लंबाई करीब 18 किलोमीटर है। बाकी पैदल मार्ग हैं। यहां मकानों की संख्या करीब दस हजार के आसपास पहुंच गई है। तकरीबन हरेक परिवार के पास एक से अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहन हैं। टैक्सी बाइक और टैक्सी स्कूटी की कोई गिनती ही नहीं है।

पर्यटक सीजन के दिनों प्रशासन द्वारा निश्चित संख्या में ही पर्यटक वाहनों को नगर में प्रवेश की आज्ञा दी जाती है। बावजूद इसके पीक सीजन में प्रतिदिन करीब ढाई- तीन हजार पर्यटकों के निजी वाहन नैनीताल आते हैं। नतीजतन अब नगर की कोई सड़क और पैदल मार्ग दोपहिया और चौपहिया वाहनों से निरापद नहीं है। टैक्सी बाइक, %पापाज% एवं %मम्मीज गिफ्ट्स% की भीड़ ने आम लोगों के चलने के लिए सड़कों के किनारों की नालियां भी नहीं छोड़ी हैं। इनकी निरंकुश रफ़्तार के चलते पैदल चलने का अर्थ जीवन को खतरे में डालना हो गया है।

अनियंत्रित, अनियोजित एवं अदूरदर्शी विकास ने स्वप्नलोक को एक अव्यवस्थित और अति भीड़भाड़ वाले नगर में बदल दिया है। इंतजामिया नैनीताल नगर की भार वहन क्षमता का आकलन कर तद्नुसार गाड़ियों की संख्या नियंत्रित करने के बजाय पार्किंग बनाने पर जोर दे रहे हैं। पार्किंग के लिए नैनीताल में नियम विरुद्ध ब्रिटिशकालीन नालों में लिंटर डाल दिए गए हैं, जिससे नालों का वजूद और औचित्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है। इस समस्या से निपटने के लिए नैनीताल की भारवहन क्षमता का आकलन कर दूरदर्शी एवं व्यावहारिक पर्यटन नीति बनाने की आवश्यकता है। फिलवक्त नैनीताल अपनी बेनूरी और दुर्दशा पर सिसक रहा है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

# नोएडा में हजारों की संख्या में पीजी लेकिन एक भी पंजीकृत नहीं और सुरक्षा मानकों की अनदेखी

**नोएडा, 05 जून (हि.स.)**। नोएडा के सेक्टर 24 स्थित एक कमर्शियल कंपलेक्स में शुक्रवार सुबह हुई आगजनी और लोगों के आग में फंसने की घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर शहरों में धड़ल्ले से चल रहे पीजी और होटल कितने सुरक्षित हैं। हैरानी की बात यह है कि नोएडा में हजारों लोगों की जिंदगी आज भी नियमों और सुरक्षा मानकों के भरोसे नहीं, बल्कि इनके संचालकों की मनमानी पर टिकी हुई है। बहुमंजिला इमारतों में संचालित हो रहे पीजी और होटल न केवल बिना आवश्यक पंजीकरण के चल रहे हैं, बल्कि जिम्मेदार पर्यटन विभाग और नोएडा प्राधिकरण भी इस गंभीर लापरवाही पर आंखें मूंदे हुए हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि अगर कोई बड़ा हादसा हो जाए, तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी। आज की घटना के बाद हमारे द्वारा किए गए पड़ताल के बाद सामने आया कि जिले में पांच हजार से अधिक पीजी संचालित होने के बावजूद एक भी पीजी पर्यटन विभाग में पंजीकृत नहीं है। छोटे शहरों से बेहतर भविष्य और रोजगार की तलाश में नोएडा पहुंचे हजारों परिवार और युवा रोजाना ऐसे कमरों में रहने को मजबूर हैं, जहां सुरक्षा मानकों का कोई ठोस आधार नहीं है। बावजूद इसके, अधिकारी कार्रवाई के बजाय किसी अप्रिय घटना के इंतजार में नजर आते हैं। सेक्टर 62 के नवादा स्थित एक गर्ल्स पीजी में बृहस्पतिवार की रात करीब दो बजे अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद बिजली बाधित होने पर युवतियां नीचे आईं, पुलिस बुलानी पड़ी, अफरातफरी का माहौल रहा। जब एक युवती ने उसका वीडियो बनाया तो उसे पीजी संचालक ने कमरा खाली करने की धमकी दी। युवती ने बताया कि पीजी में सिर्फ एक ही गेट है। पड़ताल के दौरान सामने आया कि सेक्टर 62 नवादा इलाके में ऐसे कई पीजी हैं जहां नीचे होटल संचालित हो रहा है और उसके ऊपर पीजी बना है, जिसमें एक ही तल पर 10-10 कमरे बने हैं। लेकिन अग्निशमन सुरक्षा के इंतजाम एक मे भी नहीं है। यहां तक कि एक ही गेट है जो कि सिर्फ तीन मीटर चौड़ा है। ऐसे में यदि आग लगती है तो बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिलेगा। सेक्टर-104 हाजीपुर इलाके में गली नंबर पांच पहले से ही संकरी है। उसी गली से होते हुए करीब 10 बहुमंजिला अपार्टमेंट बने हुए हैं। जहां हर एक तल पर पांच से ज्यादा परिवार रहते हैं। लेकिन उन तक पहुंचने का रास्ता सिर्फ 5-7 मीटर चौड़ा है। सिर्फ एक ही तरफ से गेट है, बाकी जगह ब्लॉक हैं। ऐसे में यदि आगजनी की घटना हुई और अग्निशमन का वाहन वहां पहुंचता है तो वह वापस लौट भी नहीं सकता है, बल्की उसी रास्ते से वापस लौटना पड़ेगा। विश्वकर्मा मार्ग से ममूरा के अंदर सिर्फ 100 मीटर की दूर पर प्रवेश करते ही सैकड़ों ऐसे पीजी हैं जहां पहुंचने के लिए संकरे रास्ते पर गुजरना पड़ता है। आलम यह है कि एक ही बिल्डिंग में होटल संचालित किया जा रहा है और उसी बिल्डिंग में ही पेइंग गेस्ट (पीजी) संचालित हो रहा है। ऐसे में युवक- युवतियों की सुरक्षा भगवान भरोसे बनी हुई है। ऐसे कई पीजी हैं वहां चार पहिया वाहन तो दूर दो पहिया वाहन भी अगर दो गुजर जाएं तो जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाए। नवादा इलाके में एक गली ऐसी भी दिखी जो सिर्फ 30 मीटर लंबी और 3 मीटर चौड़ी है। एक तरफ से गली बंद है। उसी गली में ही पांच पीजी के सिंगल गेट खुले हैं। ऐसे में यदि आगजनी की घटना होती है तो एक पीजी के साथ साथ अन्य पीजी भी आग की चपेट में आ जाएंगे, जिन्हें बचाने का कोई रास्ता न मिलेगा। इसके अलावा रायपुर , हाजीपुर, बरौला, बिशनपुरा, अगाहपुर, होशियारपुर, नयाबांस , हरौला,चोटपुर कॉलोनी, छीजारसी कॉलोनी, बहलोलपुर , अट्टा, हाजीपुर पुर, सलारपुर गांव में सैकड़ो की संख्या में पीजी और ओशो होटल बने हुए हैं जिनमें सुरक्षा के उपाय नहीं है। आग लगने के समय वहां रहने वाले लोगों की जिंदगी भगवान भरोसे है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी मेरठ मंडल दीपिका ने बताया कि सरकार ने पीजी (पेइंग गेस्ट) का पंजीकरण समाप्त कर दिया है। जितने भी संचालित हो रहे हैं, वे अवैध हैं। हालांकि सरकार अब होम स्टे और बीएनबी का पंजीकरण कर रही है। लेकिन उसमें भी छह से ज्यादा कमरे नहीं हो सकते हैं। नियम के अनुसार मकान मालिक को उसी घर में रहना होगा। पंजीकरण अनिवार्य है। छह से ज्यादा कमरे होने पर बिल्डिंग को सर्टिफिकेट नहीं दिया जाता है। अवैध निर्माण पर स्थानीय प्रशासन नोटिस जारी कर कार्रवाई कर सकता है। इसके अलावा फायर की एनओसी की जिम्मेदारी स्थानीय मुख्य अग्निशमन अधिकारी की है। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा नोएडा में सिर्फ तीन पंजीकृत किए गए हैं।

# ग्लेशियर संकट-प्रकृति का बिगड़ता संतुलन और हमारा भविष्य

**(लेखिका पूनम झा)**

**कठुआ, 05 जून (हि.स.)**। पृथ्वी पर जीवन का आधार जल है और इस जल का सबसे बड़ा भंडार ग्लेशियरों के रूप में मौजूद है। ग्लेशियर जिन्हें 卐बर्फ की नदियाँ卐 भी कहा जाता है पहाड़ों पर जमी विशाल बर्फ की परतें होती हैं जो धीरे-धीरे खिसकती रहती हैं। इनका सीमित मात्रा में पिघलना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यही नदियों का स्रोत बनते हैं और मानव जीवन के लिए जल उपलब्ध कराते हैं।

ग्लेशियर मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं अल्पाइन (घाटी) ग्लेशियर और पर्वतीय ग्लेशियर। हिमालय, काराकोरम और लद्दाख जैसे क्षेत्रों में भारत के प्रमुख ग्लेशियर पाए जाते हैं।

इनमें सियाचिन ग्लेशियर सबसे प्रमुख है जो न केवल भारत का सबसे बड़ा बल्कि विश्व के सबसे बड़े ग्लेशियरों में से एक है। इसके अलावा गंगोत्री, यमुनोत्री, पिंडारी, मिलम और जेमू जैसे ग्लेशियर भी हमारे जल स्रोतों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो पृथ्वी पर कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत समुद्रों में है जबकि मात्र 3 प्रतिशत ही मीठा पानी है। इस मीठे पानी का लगभग 68 प्रतिशत हिस्सा ग्लेशियरों और बर्फ के रूप में जमा है।

यही कारण है कि करोड़ों लोगकृविशेषकर भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में इन ग्लेशियरों पर निर्भर हैं। किन्तु वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। तापमान में वृद्धि, अनियमित बर्फबारी और बढ़ता प्रदूषण इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। यदि यह स्थिति जारी रही तो भविष्य में समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा, तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आएगी और मीठे पानी की भारी कमी हो सकती है।

ग्लेशियरों के पिघलने के पीछे मानव गतिविधियाँ भी बड़ी भूमिका निभाती हैं। पॉलिथीन का अत्यधिक उपयोग, कचरे का खुले में जलाना, पराली दहन और औद्योगिक प्रदूषण वातावरण को नुकसान पहुँचा रहे हैं। इनसे निकलने वाली गैसें तापमान बढ़ाती हैं जिससे ग्लेशियरों का संतुलन बिगड़ता है।

हालाँकि कुछ सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिले हैं। आज सौर ऊर्जा, विद्युत आधारित परिवहन और स्वच्छ ईंधन के उपयोग से प्रदूषण कम करने के प्रयास हो रहे हैं। फिर भी बढ़ती जनसंख्या, अत्यधिक ऊर्जा खपत और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग नई चुनौतियाँ पैदा कर रहे हैं।

ग्लेशियरों को बचाने के लिए हमें बहुआयामी प्रयास करने होंगे। पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, प्रदूषण नियंत्रण और प्लास्टिक के उपयोग में कमी अत्यंत आवश्यक है। वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को बढ़ावा देना भी एक प्रभावी उपाय है जिससे भूजल स्तर को सुधारा जा सकता है। वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे प्लास्टिक को नष्ट करने वाले सूक्ष्म जीवों पर शोध को प्रोत्साहित करना भी समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही हमें अपनी जीवनशैली में भी बदलाव लाना होगा। ऊर्जा की बचत, प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाकर ही हम इस संकट से उबर सकते हैं।

अंतत ग्लेशियर केवल बर्फ के पहाड़ नहीं हैं बल्कि मानव जीवन की धड़कन हैं। यदि आज हम इन्हें बचाने के लिए जागरूक नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना करना पड़ेगा।

इसलिए यह केवल सरकार या वैज्ञानिकों की नहीं बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम प्रकृति की इस अमूल्य धरोहर की रक्षा करें।

## इंडोनेशिया ओपन में विश्व ओलंपिक चैंपियन से हारीं पीवी सिंधु, आयुष शेट्टी भी बाहर

**एजेंसी**
**जकार्ता।** भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2026 अभियान प्री-क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। सिंधु को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व नंबर-1 और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन एन से यंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में सिंधु ने कुछ समय तक अच्छी चुनौती पेश की, लेकिन अंततः उन्हें 17-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इससे एन से यंग के खिलाफ सिंधु की हार का सिलसिला 10 मैचों तक पहुंच गया और भारतीय स्टार अब भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत की तलाश में हैं। मुकाबले की शुरुआत बेहद कड़ी रही और पहले गेम के दौरान दोनों खिलाड़ी 10-10 की बराबरी पर थीं। सिंधु ने आक्रामक खेल दिखाते हुए एक समय 15-14 की बढ़त भी बनाई, लेकिन इसके बाद एन से यंग ने लगातार अंक जुटाकर वापसी की। दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने 41 शॉट की लंबी रैली जीतकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी एन से यंग ने शुरुआत से दबदबा बनाए रखा और 13-6 की बढ़त हासिल कर ली। सिंधु ने वापसी की कोशिश की, लेकिन एन की शानदार कोर्ट कवरेज और निरंतरता के आगे टिक नहीं सकीं। पुरुष एकल में भारत के आयुष शेट्टी भी प्री-क्वार्टरफाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। आयुष ने पहला गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद हांगकांग के ली चियुक यिउ ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 16-21, 21-13, 21-14 से जीत लिया।

## नॉर्वे शतरंज 2026: प्रज्ञानानंद ने ऑल-इंडियन मुकाबले में गुकेश को हराया, खिताबी दौड़ में बरकरार

**एजेंसी**
**ओस्लो (नॉर्वे)।** नॉर्वे शतरंज 2026 के नौवें दौर में शुक्रवार को रोमांच चरम पर पहुंच गया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब की दौड़ को अंतिम दौर तक जीवित रखा। वहीं महिलाओं की प्रतियोगिता में बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया।

ओपन वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और अंतिम दौर से पहले अपनी बढ़त बनाए रखी। दिन का सबसे बड़ा परिणाम भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में देखने को मिला। काले मोहरों से

खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने गुकेश को पराजित किया। मध्य खेल (मिडल गेम) में दबाव बनाने के बाद प्रज्ञानानंद ने शानदार तरीके से मैच अपने नाम किया और पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के बाद प्रज्ञानानंद के 15 अंक हो गए हैं और वे अब शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो से केवल आधा अंक पीछे हैं। दूसरी ओर, फ्रांस के अलीरज़ा फिरोज़जा भी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में कठिन स्थिति से वापसी की और बाद में आर्मागेडन में विन्सेंट कीमर को हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नौवें दौर के बाद अंक तालिका:
वेस्ली सो – 15.5 अंक
प्रज्ञानानंद – 15 अंक
अलीरज़ा फिरोज़जा – 14.5 अंक

**महिलाओं में बिबीसारा बनीं चैंपियन-** महिला वर्ग में कजाकिस्तान की बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर पहले ही नॉर्वे शतरंज महिला खिताब जीत लिया। उन्होंने यूक्रेन की अन्ना मुज़ीचुक के खिलाफ क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ खेला। बाद में आर्मागेडन में मुज़ीचुक ने अतिरिक्त अंक तो हासिल किए, लेकिन इसके बावजूद बिबीसारा की बढ़त गणितीय रूप से अजेय हो गई। महिला वर्ग में दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत चीन की झू जिनर ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दर्ज की। वहीं भारत की कोनेरू हम्पी) और मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन आर्मागेडन में जू वेनजुन ने जीत हासिल की।

## खेल जगत में नया इतिहास : लखनऊ में 'प्रथम राष्ट्रीय टायराथॉन चैम्पियनशिप 2026' का भव्य आगाज

**एजेंसी**
**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ऐतिहासिक केडी सिंह बाबू स्टेडियम में उस समय खेल इतिहास का एक नया अध्याय जुड़ गया, जब 'प्रथम राष्ट्रीय टायराथॉन चैम्पियनशिप 2026' का बेहद भव्य और ऊर्जा से भरपूर उद्घाटन हुआ। 4 जून से 6 जून तक चलने वाले इस त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन में देश के 12 राज्यों से आए सैकड़ों एथलीट हिस्सा ले रहे हैं, जिनका अतिथियों ने करतल ध्वनि के बीच जोरदार उत्साहवर्धन किया।

इस गरिमामयी समारोह का शानदार संचालन प्रख्यात लक्ष्मण पुरस्कार विजेता रविकांत मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरा के अनुसार अतिथियों के सम्मान और विघ्नहर्ता भगवान गणेश की वंदना से हुई। इसके बाद सभी खिलाड़ियों को खेल भावना और सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। मुख्य अतिथि ने मैदान पर पहुंचकर विधिवत रूप से प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में लखनऊ की महापौर सुषमा खरकवाल, अवनीश सिंह (एमएलसी), पवन सिंह (एमएलसी) और टायराथॉन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष व विधायक जय कुमार सिंह जैकी मौजूद रहे। टायराथॉन एक ऐसा अनूठा और नवोन्मेषी खेल है जो साधारण टायर को खेल उत्कृष्टता के साधन में बदल देता है।

## ताइक्वांडो चैंपियनशिप में एसबीयू के आयुष राज ने जीता रजत पदक

**रांची।** रांची के सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के छात्र आयुष राज ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित पीटीएफ ओपन इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया है। विवि के कुलपति प्रो. सी जगनाथन ने बताया कि श्रीनगर में 30 मई से 2 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के विभिन्न देशों से 600 से भी अधिक ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता का आयोजन प्रोफेशनल ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि अंडर-30 पूमसे वर्ग में आयुष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह कीर्तिमान अपने नाम किया। आयुष की इस सफलता पर सरला बिरला विश्वविद्यालय की ओर से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।

## ताजिकिस्तान से मैत्री मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम घोषित, चोटिल रयान विलियम्स बाहर

**नई दिल्ली।** भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने जून में ताजिकिस्तान के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों के लिए 22 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में चोटिल रयान विलियम्स को जगह नहीं मिली है, जबकि मोहन बागान सुपर जायंट के किसी भी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया है। भारत इस महीने ताजिकिस्तान के खिलाफ 5 जून और 9 जून को दो मुकाबले खेलेगा। भारतीय टीम हाल ही में यूनिटी कप में जमैका और जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मुकाबले खेली थी, लेकिन दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद ताजा फीफा रैंकिंग में भारत एक स्थान नीचे खिसककर 137वें स्थान पर पहुंच गया। अब ब्लू टाइगर्स ताजिकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करना चाहेंगे। भारत ने पिछले वर्ष सीएएफए नेशंस कप में ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया था। रयान विलियम्स यूनिटी कप के पहले मुकाबले के दौरान चोटिल हो गए थे और इसी कारण उन्हें इस टीम से बाहर रखा गया है। उनकी जगह नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के फॉरवर्ड पार्थिब गोगोई को मौका दिया गया है। मोहन बागान के खिलाड़ी शुरुआती संभावित टीम में शामिल थे, लेकिन फीफा विंडो के बाहर क्लब ने उन्हें रिलीज नहीं किया, जिसके कारण वे जून के इन मैत्री मैचों के लिए चयन से बाहर रहे।

## आईसीसी ने रॉड टकर को 100वें टेस्ट में अंपायरिंग पूरी करने पर दी बधाई

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ अंपायर रॉड टकर को उनके 100वें टेस्ट मैच में ऑन-फील्ड अंपायरिंग पूरी करने पर बधाई दी है। टकर ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। रॉड टकर टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 100 टेस्ट मैचों में अंपायरिंग करने वाले केवल चौथे अंपायर बन गए हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में पूर्व आईसीसी टेस्ट अंपायर इयान गोल्ड ने उन्हें स्मृति चिह्न के रूप में एक क्रिस्टल ट्रॉफी भेंट की। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने रॉड टकर को बधाई देते हुए कहा कि वह विश्व क्रिकेट के सबसे सम्मानित अंपायरों में शामिल हैं और अपनी निरंतरता, निष्पक्षता और दबाव में शांत रहकर मैच संचालन करने की क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं। जय शाह ने कहा, '100 टेस्ट मैचों का यह पड़ाव दर्शाता है कि क्रिकेट प्रशासकों ने वर्षों तक उन पर कितना भरोसा जताया है। उनका अनुभव अमूल्य रहा है और वह दुनिया भर के अंपायरों के लिए प्रेरणा हैं।' अपनी उपलब्धि पर रॉड टकर ने कहा कि क्रिकेट हमेशा से उनका जुनून रहा है और अंतरराष्ट्रीय अंपायर के रूप में इतने लंबे करियर को वह अपने लिए सौभाग्य मानते हैं। टकर ने कहा, '100वें टेस्ट में अंपायरिंग करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। मैं आईसीसी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट अंपायर्स एंड स्कोरर्स एसोसिएशन, अपने सहयोगियों और परिवार का आभारी हूं। उनके सहयोग के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी।'

## रोम डायमंड लीग 2026: नोहा लाइल्स ने 100 मीटर रेस जीता, रुमेश पाथिरागे ने भाला फेंक में रचा इतिहास

**एजेंसी**
**रोम।** ओलंपिक चैंपियन नोहा लाइल्स ने रोम डायमंड लीग 2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने भाला फेंक में ऐतिहासिक प्रदर्शन से सबको चौंका दिया।

लाइल्स ने 100 मीटर दौड़ 9.88 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण स्थान हासिल किया। कैमरून के इमैनुएल एसेमे दूसरे और बोत्सवाना के लेट्सिले टेबोगो तीसरे स्थान पर रहे।

इटली के पूर्व ओलंपिक चैंपियन मार्सेल जैकब्स पांचवें स्थान पर रहे।

पाथिरागे ने बनाया नया इतिहास
भाला फेंक स्पर्धा में श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने 92.62 मीटर का थ्रो कर प्रतियोगिता जीत ली और इस स्पर्धा की सर्वकालिक सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए।

उन्होंने मार्च में बनाए अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.37 मीटर को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि वे अभी भी महान चेक खिलाड़ी यान जेलेज़्नी के 98.48 मीटर विश्व रिकॉर्ड से पीछे हैं। ग्रेनेडा

के एंडरसन पीटर्स दूसरे और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 200 मीटर में जूलियन अल्फ्रेड ने पलटा मुकाबला महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में जूलियन अल्फ्रेड ने विश्व चैंपियन मेलिसा जेफरसन-वूडेन को हराते हुए पहला स्थान हासिल किया। अल्फ्रेड ने 21.93 सेकंड में दौड़ पूरी की, जबकि जेफरसन-वूडेन दूसरे और अनाविया बैटल तीसरे स्थान पर रहीं।

## दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग के फेज-2 ट्रायल्स 7 जून को, पहले चरण की सफलता के बाद बढ़ाया गया दायरा

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग (डीवीपील) ने अपने पहले चरण के सफल आयोजन के बाद अब दूसरे चरण के ट्रायल्स की घोषणा कर दी है। फेज-2 ट्रायल्स 7 जून (रविवार) को सुबह 8:00 बजे से लक्ष्मी पब्लिक स्कूल, कड़कड़डूमा, दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। लीग के पहले चरण के ट्रायल्स को खिलाड़ियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। आयोजकों के अनुसार, जिन खिलाड़ियों को पुष्टि कॉल प्राप्त हुई थी, उनमें 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई, जो लीग के पहले सीजन को लेकर खिलाड़ियों के उत्साह को दर्शाता है। अब डीपीवीएल ने अपनी प्रतिभा खोज प्रक्रिया को दिल्ली से बाहर उत्तर भारत के अन्य राज्यों तक विस्तार दिया है। फेज-2 ट्रायल्स के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर सहित सात राज्यों और क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों को उम्मीद है कि इस चरण में उत्तर भारत की कई उभरती हुई वॉलीबॉल प्रतिभाएं

अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगी। सभी ट्रायल चरणों के पूरा होने के बाद चयनित खिलाड़ियों को आधिकारिक प्लेयर ऑक्शन में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जहां लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने स्क्वॉड का चयन करेंगी। दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग खुद को भारत की पहली महिला-नेतृत्व वाली पेशेवर वॉलीबॉल लीग के रूप में स्थापित कर रही है। लीग का उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए एक संरचित मंच तैयार करना, प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना और वॉलीबॉल को अधिक पेशेवर पहचान दिलाना है।इस वर्ष की शुरुआत में दिल्ली वॉलीबॉल एसोसिएशन और दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से शुरू की गई इस लीग का लक्ष्य भारत में वॉलीबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए मजबूत अवसर तैयार करना है।

## फॉर्मूला-1 और लास वेगास के बीच 2037 तक करार, अगले 10 वर्षों तक स्ट्रिप पर दौड़ेंगी रेस कारें

**एजेंसी**
**लास वेगास।** फॉर्मूला-1 ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि प्रतिष्ठित लास वेगास ग्रां प्री अब 2037 तक आयोजित होती रहेगी। नए 10 वर्षीय विस्तार समझौते के तहत फॉर्मूला-1, लास वेगास ग्रां प्री इंक., क्लार्क काउंटी प्रशासन और लास वेगास कन्वेंशन एंड विजिटर्स अथॉरिटी (एलवीसीवीए) ने इस वैश्विक आयोजन के भविष्य को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित किया है।

2023 में फॉर्मूला-1 कैलेंडर में शामिल होने के बाद लास वेगास ग्रां प्री ने खुद को दुनिया के सबसे चर्चित मोटरस्पोर्ट आयोजनों में स्थापित किया है। लास वेगास स्ट्रिप के बीचोंबीच होने वाली यह रेस अब केवल खेल आयोजन नहीं बल्कि खेल, मनोरंजन, व्यवसाय और पर्यटन का वैश्विक मंच बन चुकी है। 6.2 किलोमीटर लंबे लास वेगास स्ट्रिप सर्किट पर ड्राइवर 322 किमी प्रति घंटे (200 मील प्रति घंटा) से अधिक की रफ्तार से दौड़ते हैं। यह

ट्रैक बेलाजियो, सीज़र्स पैलेस, विन लास वेगास और द वेनेशियन रिज़ॉर्ट जैसे प्रतिष्ठित स्थलों के बीच से गुजरता है। रेस के इतिहास में अब तक मैक्स वर्स्टैपेन ने दो बार (2023 और 2025) जीत हासिल की है, जबकि जॉर्ज रसेल ने 2024 में खिताब अपने नाम किया था। 2024 के आयोजन में कुल 113 ओवरटेक देखने को मिले थे और उसी वर्ष वर्स्टैपेन ने लगातार चौथा एफआईए फॉर्मूला-1 विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीता था। आर्थिक प्रभाव के मामले में भी यह आयोजन बेहद सफल रहा है। 2023 से 2025 तक केवल तीन संस्करणों में इस ग्रां प्री ने दक्षिणी नेवादा की अर्थव्यवस्था में कुल 3.2 अरब डॉलर का योगदान दिया। सभी तीनों संस्करण पूरी तरह सोल्ड आउट रहे। केवल 2025 में इस आयोजन से 4.3 करोड़ डॉलर का राज्य और स्थानीय कर राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें से 1.5 करोड़ डॉलर स्थानीय च-12 शिक्षा कार्यक्रमों के लिए निर्धारित किए गए। इसके अलावा, लास वेगास ग्रां प्री फाउंडेशन ने अब तक गैर-लाभकारी संस्थाओं को 20 लाख डॉलर से अधिक का सहयोग दिया है और स्थानीय छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। फॉर्मूला-1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा कि लास वेगास ने कम समय में खुद को अमेरिका में फॉर्मूला-1 की पहचान का प्रमुख केंद्र बना लिया है और यह विस्तार उस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

## फ्रेंच ओपन में मीरा आंद्रिवा का धमाका, कोस्त्युक को हराकर पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं

**एजेंसी**
**पेरिस।** रूस की युवा टेनिस स्टार मीरा आंद्रिवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन के महिला एकल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल का टिकट हासिल किया। पेरिस के प्रतिष्ठित रोलां गैरो में खेले गए इस मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त आंद्रिवा ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मात्र 76 मिनट तक चले मुकाबले में उन्होंने कोस्त्युक को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और उनकी 17 मैचों की जीत की लय को भी समाप्त कर दिया। 19 वर्षीय आंद्रिवा ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाली हाल के वर्षों की सबसे कम उम्र की खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं। इससे पहले 2022 में कोको गौफ ने किशोर उम्र में फ्रेंच ओपन फाइनल में जगह बनाई थी। आंद्रिवा 21वीं सदी में रोलां गैरो के फाइनल तक पहुंचने वाली तीसरी सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गई हैं। इस जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि कोस्त्युक ने इस सीजन में आंद्रिवा को दोनों पूर्व मुकाबलों में हराया था, जिनमें मैड्रिड ओपन का फाइनल भी शामिल था। लेकिन इस बार रूसी खिलाड़ी ने बेहतरीन रणनीति और दमदार शॉट्स के दम पर मुकाबला एकतरफा बना दिया। आंद्रिवा का 2026 सीजन अब तक शानदार रहा है। उन्होंने इस वर्ष कई बड़े टूर्नामेंटों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और क्ले कोर्ट पर 20 से अधिक जीत दर्ज की हैं। उनकी सफलता में उनकी कोच और पूर्व विंबलडन चैंपियन कोंचिता मार्टिनेज की भी अहम भूमिका रही है। अब आंद्रिवा खिताबी मुकाबले में डायना श्नाइडर और माजा चवालिंस्का के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेंगी। यदि वह फाइनल जीतने में सफल रहती हैं तो वह 2023 यूएस ओपन के बाद किसी ग्रैंड स्लैम का खिताब जीतने वाली पहली किशोर खिलाड़ी बन जाएंगी।

## लॉर्ड्स टेस्ट: 'अब मूविंग डे तीसरे नहीं, पहले दिन होता है'-काइल जैमीसन

**एजेंसी**
**लंदन।** लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन 16 विकेट गिरने के बाद न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने कहा कि आधुनिक टेस्ट क्रिकेट में अब पारंपरिक 'मूविंग डे' तीसरे दिन नहीं, बल्कि पहले दिन ही आ गया है। पहले दिन के खेल में दोनों टीमों के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। इंग्लैंड की पहली पारी सिर्फ 140 रन पर सिमट गई, जबकि जवाब में न्यूज़ीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए।

जैमीसन ने दिन के खेल के बाद कहा, 'शायद अब टेस्ट मैच का 'मूविंग डे' तीसरे दिन से पहले दिन पर आ गया है। इस समय इसे पूरी तरह समझना मुश्किल है। सुबह हमें बल्लेबाजी में अभी काफी काम

करना है और उसके बाद गेंदबाजी में भी फिर मौका मिलेगा।'

न्यूज़ीलैंड की टीम दूसरे दिन इंग्लैंड से अभी भी 79 रन पीछे रहते हुए बल्लेबाजी शुरू करेगी और उसके केवल चार विकेट शेष हैं। टीम की कोशिश होगी कि किसी तरह इंग्लैंड के स्कोर के करीब पहुंचा जाए। हालांकि, न्यूज़ीलैंड की चिंता तेज गेंदबाज मैट हेनरी की फिटनेस को लेकर भी बढ़ गई है। हेनरी पहले दिन केवल चार ओवर गेंदबाजी कर पाए और पीठ में ऐंठन के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। जैमीसन ने उम्मीद जताई कि हेनरी मैच में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, 'उनका मैदान छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। उम्मीद है कि इस टेस्ट में किसी समय हम उन्हें दोबारा गेंदबाजी करते देखेंगे।' खुद जैमीसन भी लंबे समय तक पीठ की चोट से जूझ चुके हैं। लॉर्ड्स टेस्ट उनके लिए 2024 के बाद पहला टेस्ट मैच है। पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वे लंबे समय तक बाहर रहे थे। वापसी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अनुकूल गेंदबाजी परिस्थितियों में पांच विकेट अपने नाम किए। अपनी वापसी पर जैमीसन ने कहा, 'जब आप पूरी मेहनत करते हैं और फिर चोट दोबारा हो जाती है तो आप सोचते हैं कि आखिर गलती कहां हुई। लेकिन रिहैब प्रक्रिया और कारणों को समझने के बाद मुझे भरोसा मिला कि समस्या सिर्फ मुझमें नहीं थी, कई वजहें थीं जिनसे यह हुआ।' जैमीसन की शानदार गेंदबाजी ने न्यूज़ीलैंड को मुकाबले में बनाए रखा है और अब दूसरे दिन दोनों टीमों के लिए मैच का रुख तय करने वाला साबित हो सकता है।

## मुरादाबाद अंडर-14 क्रिकेट गोल्ड कप : आरआरके ने डूमफ्लेयर को 12 रन से हराकर जीत से किया आगाज

**एजेंसी**
**मुरादाबाद।** मुरादाबाद अंडर-14 क्रिकेट गोल्ड कप के पहले मुकाबले में आरआरके क्रिकेट एकेडमी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए डूमफ्लेयर क्रिकेट टीम को 12 रन से पराजित कर टूर्नामेंट में जीत से आगाज किया। शानदार गेंदबाजी के लिए सोहम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पारकर क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू हुए टूर्नामेंट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरआरके क्रिकेट एकेडमी की टीम 26 ओवर में 118 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से सोहम ने 57 गेंद में 38 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि अभय ने 17 रन का योगदान दिया। टीम को अतिरिक्त रन के रूप में 33 रन मिले। डूमफ्लेयर की ओर से सूर्यकांत ने तीन विकेट, रुद्राक्ष और पवित्र ने दो दो विकेट तथा देवांग ने एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डूमफ्लेयर क्रिकेट टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। हालांकि हार्दिक ने 50 गेंद पर 45 रन बनाकर टीम को संभालने का प्रयास किया और ग्रंथ ने 27 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, अन्य बल्लेबाज टिक नहीं सके। पूरी टीम 28 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। जबकि आरआरके की ओर से गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

सिंघम ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके, जबकि मोहित ने तीन और सोहम अग्रवाल ने दो विकेट लेकर विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी। शानदार गेंदबाजी के लिए सोहम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर क्रिकेट कोच हिमांशु शर्मा, अभय सिंह, रजत राह आदि मौजूद रहे।

## अंडर-18 एशिया कप : भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए तैयार

**एजेंसी**
काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय अंडर-18 महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दोनों टीमों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनाई है। भारतीय अंडर-18 महिला टीम ने पूल-ए में अपने सभी तीन मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम ने पूल चरण में कुल 30 गोल किए और केवल 2 गोल खाए। भारत ने अभियान की शुरुआत मलेशिया पर 2-1 की कड़ी जीत से की। इसके बाद कोरिया को 3-1 से हराया और अंतिम मुकाबले में सिंगापुर को 25-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में धमाकेदार अंदाज में प्रवेश किया। भारतीय टीम के लिए अब तक नौशीन नाज सबसे सफल गोल स्कोरर रही हैं, जिन्होंने 10 गोल किए हैं। गीथाश्री नम्मी ने 5 गोल, कप्तान स्वीटी कुजूर ने 4 गोल और प्रियंका मिन्ज़ ने 3 गोल किए हैं। अब भारत का सामना चीन से होगा, जिसने पूल-बी में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। यह मुकाबला 5 जून को सुबह 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) खेला जाएगा।

महिला टीम की मुख्य कोच रानी ने कहा, 'अब तक का सफर शानदार रहा है। यह इन खिलाड़ियों का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हमारा पूरा ध्यान अब चीन के खिलाफ सेमीफाइनल पर है।

## बाबर की संयमित पारी और शादाब की फिनिशिंग से पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया

**एजेंसी**
**लाहौर।** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक वनडे मुकाबले में पाकिस्तान ने शानदार वापसी करते हुए गुरुवार देर रात 4 विकेट से जीत दर्ज की। कम स्कोर वाले मुकाबले में पाकिस्तान ने लक्ष्य हासिल कर तीन मैचों की वन डे सीरीज अपने नाम कर ली।

दूसरे वनडे में 231 रन का सफल बचाव करने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस ने निर्णायक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। उम्मीद थी कि टीम फिर से चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाएगी, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 157 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही जब शाहीन अफरीदी ने शुरुआती ओवर में ही मैथ्यू शॉर्ट को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने पारी संभाली और सबसे अधिक 65 रन (71 गेंद) बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। इंग्लिस ने मार्नस लाबुशेन और बाद में एलेक्स कैरी के साथ साझेदारियां बनाकर टीम को 100 रन के करीब पहुंचाया, लेकिन उनके

आउट होते ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी ढह गई। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय 119/3 था, लेकिन इसके बाद टीम ने केवल 37 रन जोड़कर आखिरी 7 विकेट गंवा दिए और 157 रन पर ऑलआउट हो गई।

पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट लिए। स्पिनरों ने भी शानदार भूमिका निभाई। अबरार अहमद ने 10 ओवर में केवल 19 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि शादाब खान ने भी 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत आक्रामक रही। माज सादाकत ने तेज बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत में रन गति बनाए रखी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने लगातार विकेट लेकर मुकाबले को रोचक बना दिया।

इस दौरान बाबर आजम ने बेहद संयमित बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों पर 40 रन बनाए और टीम की जीत की नींव रखी।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार झटके दिए। उन्होंने 3 विकेट लेकर पाकिस्तान को दबाव में ला दिया। एक समय पाकिस्तान 119/5 पर संघर्ष कर रहा था, लेकिन अब्दुल समद (18)* और शादाब खान (29)* ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए टीम को 42वें ओवर में जीत दिला दी।

**संक्षिप्त स्कोर:**
**ऑस्ट्रेलिया:** 157 ऑलआउट (42 ओवर) – जोश इंग्लिस 65; शाहीन अफरीदी 3/30, अबरार अहमद 2/19, शादाब खान 2/28
**पाकिस्तान:** 161/6 (41.5 ओवर) – बाबर आजम 40, शादाब खान 29*; मैथ्यू कुहनेमन 3/38
परिणाम: पाकिस्तान 4 विकेट से विजयी।

## हुंडई आई 20 की नई जेनरेशन को लॉन्च करने की तैयारी, जारी हुआ टीजर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** हुंडई मोटर ने प्रीमियम हैचबैक कार के तौर पर हुंडई आई20 को आफर किया है। इस कार की नई जेनरेशन को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। इसके पहले निर्माता ने इसका टीजर जारी किया है। नई जेनरेशन में किस तरह के फीचर्स को दिया जा सकता है। भारत में इसे कब तक लॉन्च किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।हुंडई की ओर से प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में आई 20 को ऑफर किया जाता है। निर्माता की ओर से इस कार की नई जेनरेशन को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता ने इस कार की नई जेनरेशन के लॉन्च से पहले नया टीजर जारी किया है। इस टीजर में गाड़ी के फ्रंट की झलक को दिखाया गया है। लेकिन इसकी अन्य जानकारी इसमें नहीं दिखाई दे रही हैं। आई 20 की नई जेनरेशन में तीर की तरह हेडलाइट्स को दिया जा सकता है। इसके साथ वाई आकार के एलईडी डीआरएल को दिया गया है। जो एलईडी लाइट बार के साथ जुड़े हुए हैं। निर्माता की ओर से इस कार की नई जेनरेशन में ड्यूल स्क्रीन कर्व्ड डिस्प्ले, नया इंटीरियर, 360 डिग्री कैमरा, Level-2 ADAS, एबीएस, ईबीडी, छह एयरबैग, बेहतर इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्राइड ऑटो, एप्पल कार प्ले जैसे कई फीचर्स को दिया जा सकता है।

## एथर रिज्टा हो गई महंगी

**नई दिल्ली।** भारत में ईवी की मांग लगातार बढ़ रही है। इसको देखते हुए, एथर ने इस सेगमेंट में कई विकल्प ग्राहकों के लिए ऑफर किए हैं। निर्माता की ओर से ऑफर किए जाने वाले Ather Rizta की कीमत को बढ़ा दिया गया है। अब इस स्कूटर को खरीदना कितना महंगा हो गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। एथर की ओर से रिज्टा को इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में ऑफर किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस स्कूटर को खरीदना अब महंगा हो गया है। निर्माता की ओर से इसकी कीमत में बढ़ोतरी कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक एथर की ओर से इस स्कूटर की कीमत में तीन से चार हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। इसके सभी वेरिएंट्स पर एक समान कीमत को नहीं बढ़ाया गया है। एथर रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर के बेस वेरिएंट की कीमत में तीन हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसके टॉप वेरिएंट्स की कीमत में चार हजार रुपये तक की बढ़ोतरी को किया गया है। इस बढ़ोतरी को निर्माता की ओर से तुरंत प्रभाव से लागू भी कर दिया है।

## सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ जेनएक्सआई एनालिटिक्स का आईपीओ, 12 जून को हो सकती है लिस्टिंग

**नई दिल्ली।** एआई सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी जेनएक्सआई एनालिटिक्स का 54.84 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में नौ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 जून को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। आज दोपहर 12 बजे तक इस आईपीओ को 13 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 110 रुपये से लेकर 116 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,78,400 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 47.28 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 2.40 लाख शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 52.95 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

## सब्सक्रिप्शन के लिए खुला हेक्सागॉन न्यूट्रिशन का आईपीओ, 12 जून को हो सकती है लिस्टिंग

**नई दिल्ली।** न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स के निर्माण और विपणन से जुड़ी कंपनी हेक्सागॉन न्यूट्रिशन लिमिटेड का 138.87 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आज निवेशकों के लिए खुल गया। कंपनी के इस इश्यू को शुरुआती घंटों में ही निवेशकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और दोपहर 12:15 बजे तक इसे 64 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन प्राप्त हो चुका था। कंपनी का आईपीओ 9 जून तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा। इसके बाद 10 जून को शेयरों का आवंटन (अलॉटमेंट) किया जाएगा, जबकि 11 जून को सफल आवेदकों के डीमैट खातों में शेयर क्रेडिट किए जाएंगे। कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग 12 जून को बीएसई और एनएसई पर हो सकती है। हेक्सागॉन न्यूट्रिशन ने अपने आईपीओ के लिए 42 रुपये से 45 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड निर्धारित किया है। इश्यू का लॉट साइज 333 शेयर रखा गया है। इस आधार पर खुदरा निवेशकों (रिटेल इनवेस्टर्स) को कम से कम एक लॉट के लिए आवेदन करना होगा, जिसके लिए अधिकतम प्राइस बैंड पर 14,985 रुपये का निवेश आवश्यक होगा। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 4,329 शेयरों के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए 1,94,805 रुपये तक का निवेश करना होगा।

# मप्र में 6 जून को होगी भारत-लैटिन अमेरिका और कैरिबियन व्यापार-निवेश फोरम 2026 की बैठक

एजेंसी

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में निवेश, निर्यात और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक साझेदारियों को नई गति देने के उद्देश्य से आगामी 6 जून को इंदौर में भारत-लैटिन अमेरिका और कैरिबियन (एलएसी) व्यापार-निवेश फोरम 2026 की बैठक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस बैठक का शुभारंभ करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश लगातार वैश्विक निवेशकों, उद्योग जगत और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक समुदाय के लिए आकर्षक निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में राज्य सरकार के सहयोग से ग्लोबल इंडिया बिज़नेस फोरम (जीआईबीएफ) द्वारा इंदौर के होटल रेडिसन ब्लू में इस महत्वपूर्ण फोरम का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि फोरम में लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र के 15 देशों के वरिष्ठ

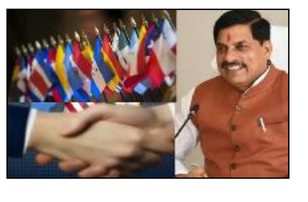

राजनयिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें विभिन्न देशों के राजदूत, एक उच्चायुक्त और एक महावाणिज्यदूत शामिल होंगे। इनके साथ निवेशक, निर्यातक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, व्यापार आयुक्त, एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि और वरिष्ठ शासकीय अधिकारी सहित 350 से अधिक प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे। चार प्रमुख वाणिज्य एवं उद्योग मंडल भी इसमें सहभागिता करेंगे।जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा निवेश संवर्धन और वैश्विक सहभागिता को लेकर किए जा रहे सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियों, बेहतर अधोसंरचना, तेज निर्णय प्रक्रिया और निवेशक हितैषी वातावरण के माध्यम से नए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में यह फोरम भारत और लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र के देशों के बीच व्यापार एवं निवेश सहयोग को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश का निर्यात प्रदर्शन भी लगातार मजबूत हुआ है। वर्ष 2025-26 में राज्य से लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र को लगभग 4,186 करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12.6 प्रतिशत अधिक है। इस निर्यात में फार्मा क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ब्राज़ील, मैक्सिको और चिली, राज्य के प्रमुख निर्यात बाजारों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्य प्रदेश की औद्योगिक प्रगति, निवेश संभावनाओं और वैश्विक साझेदारियों को लेकर फोरम को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में भारत एलएसी विशेष संस्करण का विमोचन भी किया जाएगा। मध्य प्रदेश की निवेश क्षमताओं और औद्योगिक अवसरों पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी।

## वैश्विक तनावों के बीच आरबीआई ने वित्त वर्ष 2027 के लिए रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत और मुद्रास्फीति दर 5.1 प्रतिशत रहने का लगाया अनुमान

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत रखा है। हालांकि केंद्रीय बैंक ने चेतावनी दी है कि वैश्विक सप्लाई चेन में लंबे समय तक बनी रहने वाली बाधाएं, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और मौसम से जुड़े जोखिम देश की आर्थिक वृद्धि पर दबाव बना सकते हैं। अपनी बहुप्रतीक्षित मौद्रिक नीति की घोषणा के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, 'इस वर्ष वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।' तीन दिवसीय एमपीसी बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने कहा, 'पहले हमने 6.9 प्रतिशत का अनुमान लगाया था। अब पहली तिमाही के लिए 6.6 प्रतिशत, दूसरी तिमाही के लिए 6.3 प्रतिशत, तीसरी तिमाही के लिए 6.5 प्रतिशत और चौथी तिमाही के लिए 6.8 प्रतिशत का अनुमान है।' गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के पीएमआई आंकड़े संकेत देते हैं कि दोनों सेक्टर मजबूत बने हुए हैं। कारोबारियों का भरोसा भी सकारात्मक बना हुआ है और मांग में अच्छी स्थिति देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि निजी खपत अभी भी मजबूत बनी हुई है, जिसे उपभोक्ताओं के बढ़ते खर्च से समर्थन मिल रहा है। इसके अलावा लागत बढ़ने के बावजूद निजी और सरकारी निवेश में भी अच्छी गति बनी हुई है। अप्रैल 2026 में माल निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि माल ढुलाई और बीमा लागत अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। आरबीआई के अनुसार, सेवाओं का निर्यात भी मजबूत बना हुआ है।

## छत्तीसगढ़ के भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाले में कारोबारी जयप्रकाश गांधी गिरफ्तार

एजेंसी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभनपुर निवासी कारोबारी जयप्रकाश गांधी को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है। प्रवर्तन निदेशालय के रायपुर जोनल ऑफिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए इस बात की पुष्टि की है। ईडी की रायपुर जोनल कार्यालय की टीम ने 3 जून 2026 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत यह कार्रवाई की। रिपोर्ट के अनुसार 4 जून 2026 (गुरुवार) को आरोपित को रायपुर की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया था। विशेष अदालत ने आरोपित को पूछताछ के लिए 3 दिन की ईडी कस्टडी (रिमांड) में भेज दिया है। 3 दिनों की रिमांड अवधि समाप्त होने पर यानी 7 जून 2026 को ईडी को आरोपित जयप्रकाश गांधी को दोबारा रायपुर की विशेष अदालत में पेश करना होगा। इस दौरान ईडी अदालत को बताएगी कि रिमांड में क्या नए खुलासे हुए हैं और आगे जेल (न्यायिक रिमांड) भेजने या रिमांड बढ़ाने की मांग की जाएगी। जांच एजेंसी के अनुसार यह मामला रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक कॉरिडोर परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि के मुआवजा वितरण में बड़े पैमाने पर की गई अनियमितताओं और धोखाधड़ी से जुड़ा है। ईडी की जांच में पता चला कि जय प्रकाश गांधी ने अपने परिवार के सदस्यों और कुछ सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर, अधिसूचित हाई-वे अलाइनमेंट(सीध) के दायरे में आने वाली जमीन को अधिग्रहित किया और बाद में उसे 500 वर्ग मीटर से कम माप वाले छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट दिया। आरोप है कि जमीन का यह बंटवारा सिर्फ इस इरादे से किया गया था ताकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से ज्यादा मुआवजा हासिल किया जा सके। जांच में यह भी सामने आया है कि धोखाधड़ी के इस तरीके को अपनाकर, आरोपित और उसके परिवार के सदस्यों ने लगभग 9.83 करोड़ रुपये का मुआवजा हासिल किया, जबकि उन्हें कानूनी तौर पर सिर्फ 56.76 लाख रुपये ही मिलने चाहिए थे। इस तरह उन्होंने लगभग 9.27 करोड़ रुपये की 'अपराध से अर्जित संपत्ति' ) जमा कर ली। जांच में आगे यह भी पता चला है कि इस 'अपराध से अर्जित संपत्ति' को बाद में शेयरों, म्यूचुअल फंडों और अन्य वित्तीय साधनों में निवेश करके अलग-अलग चरणों में खपाया और वैध संपत्ति के रूप में मिला दिया गया। इस मामले में ईडी ने 28 अप्रैल 2026 को रायपुर, अभनपुर और धमतरी जिले में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की थी। कार्रवाई के दौरान मुआवजे की धोखाधड़ी से प्राप्ति से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य सबूत बरामद कर जब्त किए गए थे।

## केंद्र ने हरित रसायन आधारित औषधि निर्माण परियोजना को समर्थन देने का किया ऐलान, कई दवाओं का आयात घटेगा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने औषधि निर्माण क्षेत्र में आयात पर निर्भरता घटाने, सतत उत्पादन को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए चेन्नई स्थित बायोनीमटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ग्रीन केमिस्ट्री आधारित परियोजना को समर्थन देने का ऐलान किया है। इस घोषणा के साथ कंपनी को अपनी तकनीकों का व्यावसायीकरण करने और घरेलू स्तर पर सक्रिय औषधि संघटक (एपीआई) तथा नई दवा वितरण प्रणालियों का निर्माण शुरू करने में मदद की जाएगी।

केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीक मंत्रालय ने बताया कि परियोजना के तहत मिनॉक्सिडिल, ट्रानेक्सामिक एसिड, डीक्वालिनियम क्लोराइड और उनके इंटरमीडिएट्स का स्वदेशी उत्पादन किया जाएगा। खास तौर पर ट्रानेक्सामिक एसिड का निर्माण कम लागत और पर्यावरण-अनुकूल संश्लेषण मार्ग से किया जाएगा, जो रक्तस्राव संबंधी विकारों के उपचार में उपयोगी है। साथ ही नैनो टेक्नोलॉजी आधारित ड्रग लाइपोसोम एपीआई भी विकसित किए जा रहे हैं, जिनका प्रणालियों का विकास भारत को वैश्विक फार्मा हब के रूप में मजबूत करेगा। बायोनीमटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा कि इस समर्थन से

उपयोग स्तन और त्वचा कैंसर के उपचार में किया जाएगा। टीडीबी के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि औषधि निर्माण का भविष्य सतत और तकनीक-आधारित उत्पादन प्रणालियों में है, जो गुणवत्ता, दक्षता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को जोड़ते हैं। स्वदेशी एपीआई और नई दवा वितरण कंपनी अपनी ग्रीन केमिस्ट्री आधारित निर्माण तकनीकों और एडवांस्ड औषधि उत्पादों का व्यावसायीकरण तेज़ी से कर सकेगी। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसर पैदा होंगे, किसानों को लाभ मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ग्रामीण ऊर्जा सुरक्षा को बल मिलेगा।

## चुनौतियों के दौर में भी यह भारत का युग है : कुमार मंगलम बिड़ला

एजेंसी

**नागपुर।** वैश्विक स्तर पर आर्थिक और तकनीकी चुनौतियों के बावजूद वर्तमान समय भारत के लिए स्वर्णिम अवसरों का काल है और यह भारत का युग है, ऐसा विश्वास उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता केवल एक आर्थिक नीति नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार है। साथ ही युवाओं से उद्यमिता की ओर बढ़ने और भारत में रहकर दुनिया के लिए उत्पाद बनाने का आह्वान किया।

नागपुर मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग(द्वितीय) के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिड़ला ने कहा कि सदियों की गुलामी के कारण देश का आत्मविश्वास कमजोर पड़ गया था लेकिन आज भारत दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में तेल की बढ़ती कीमतों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीकी क्रांतियों ने विश्व अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है, फिर भी भारत के लिए यह

अमृतकाल का समय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक प्राकृतिक आपदाओं और अन्य संकटों के समय समाज और देश के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं। संघ के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उन्होंने सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। उद्योगों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बिड़ला ने कहा कि मजबूत उद्योग किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार होते हैं। कंपनियों को केवल व्यावसायिक लाभ तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय लक्ष्यों को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए। सामाजिक उत्थान, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सिमेंट उद्योग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सिमेंट उत्पादक देश है। सड़कें, घर, स्कूल और कारखानों जैसी आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में सिमेंट की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि अल्ट्राटेक सिमेंट की उत्पादन क्षमता 60 मिलियन टन से बढ़कर 200 मिलियन टन तक पहुंच गई है।

वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में आदित्य बिड़ला कैपिटल के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश के आम नागरिकों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और ऋण वितरण में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

युवाओं को संबोधित करते हुए बिड़ला ने कहा, भारत में रहकर दुनिया के लिए उत्पादन कीजिए। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के सामने जितने अवसर उपलब्ध हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। बिजनेस बिल्डिंग से नेशन बिल्डिंग होती है, यह कहते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दस वर्षों में भारत अभूतपूर्व प्रगति करेगा। उन्होंने कहा कि अमृतकाल भारत के पुनर्निर्माण का अवसर है और देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सभी वर्गों को मिलकर योगदान देना होगा।

## जून में टाटा की इन लोकप्रिय कारों पर मिल रहा 40 हजार रुपये तक का लाभ

**नई दिल्ली।** टाटा मोटर्स की किसी लोकप्रिय कार को घर लाना चाहते हैं, तो जून का महीना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। कंपनी अपनी चर्चित हैचबैक कारों ऑल्ट्रोज और टियागो के साथ-साथ सेडान श्रेणी की टिगोर पर भी आकर्षक छूट और विशेष लाभ दे रही है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए उपलब्ध है और 30 जून तक ग्राहकों को इसका लाभ मिलेगा। वाहन बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच टाटा मोटर्स ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नकद छूट, विनिमय बोनस, स्क्रैपेज लाभ और कॉर्पोरेट छूट जैसे कई लाभ प्रदान कर रही है। ऐसे में नई कार खरीदने का विचार कर रहे ग्राहकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ऑल्ट्रोज पर सबसे अधिक लाभ

टाटा ऑल्ट्रोज कंपनी की सबसे लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक कारों में शामिल है। जून महीने में इसके विभिन्न संस्करणों पर कुल 40 हजार रुपये तक के लाभ दिए जा रहे हैं।कंपनी ऑल्ट्रोज के संपीड़ित प्राकृतिक गैस संस्करण पर नकद छूट और अतिरिक्त लाभ प्रदान कर रही है। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल संस्करणों पर भी आकर्षक छूट उपलब्ध है। वाहन बदलकर नई ऑल्ट्रोज खरीदने वाले ग्राहकों को विशेष विनिमय लाभ दिया जा रहा है, जबकि पुराने वाहन को स्क्रैप कराने वालों के लिए भी अलग लाभ निर्धारित किया गया है। कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े ग्राहकों को अतिरिक्त छूट का लाभ भी मिल सकता है। ऑल्ट्रोज की कीमत भारतीय बाजार में लगभग 6.30 लाख रुपये से शुरू होकर 10.77 लाख रुपये तक जाती है। टाटा टियागो लंबे समय से देश की लोकप्रिय छोटी कारों में गिनी जाती है। कंपनी इस मॉडल के चुनिंदा पेट्रोल और संपीड़ित प्राकृतिक गैस संस्करणों पर भी आकर्षक छूट दे रही है। नकद छूट के साथ अतिरिक्त लाभ, विनिमय बोनस और स्क्रैपेज योजना के तहत विशेष रियायतें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

## छत्तीसगढ़ का शराब और डीएमएफ घोटाला, ईडी ने की 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति कुर्क

एजेंसी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब और डीएमएफ घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी ) और जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई की है।इस संबंध में अनवर ढेबर और सेवानिवृत आईएएस अनिल टुटेजा सिंडिकेट की अब तक 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्तिं कुर्क (अटैच) की गई है। सिंडिकेट पर चार बड़े घोटालों शराब, कोयला, सट्टा और डीएमएफ से करीब 4,000 करोड़ रुपये की अवैध कमाई करने का आरोप है। जांच एजेंसी ने हाल ही में तीन प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी किए। इन संपत्तियों की कागजी कीमत (डीड वैल्यू) करीब 200 करोड़ रुपये है, जबकि बाजार मूल्य 1,000 करोड़ से 1,400 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। कुर्क की गई संपत्तियों में रायपुर की पॉश 'ढेबर सिटी' की

बेनामी संपत्तियां और गोवा का आलीशान होटल वेस्टिन शामिल हैं। ईडी के मुताबिक, गोवा का यह होटल शराब घोटाले की 110 करोड़ रुपये की काली कमाई से खरीदा गया था। सिंडिकेट से जुड़ी तीन सप्लायर कंपनियों,ओम साई बेवरेजेस, दिशिता वेंचर्स और नेक्सजेन पावर इंजीटेक के 51 करोड़ रुपये के बैंक खाते, शेयर और म्यूचुअल फंड फ्रीज किए गए हैं। इन कंपनियों से जबरन 50-60 प्रतिशत मुनाफा वसूला जाता था। केवल शराब घोटाले से ही 2,883 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई की गई। यह खेल नकली होलोग्राम वाली अवैध देसी शराब बेचने, डिस्टिलर्स से प्रति पेटी फिक्स कमीशन वसूलने और मनमाने लाइसेंस बांटकर खेला गया। उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय ने रायपुर की विशेष पीएमएलए अदालत में मामले की छठी पूरक चार्जशीट 1 जून 2026 को दाखिल की है। इस छठी पूरक चार्जशीट में ईडी ने चार नए लोगों को आरोपित किया है, जिनमें व्यवसायी विजय भाटिया , टी. भुवनेश्वर राव, प्रोबीर शर्मा और निखिल चंद्राकर शामिल हैं। चार नए नामों के जुड़ने के बाद इस पूरे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कुल आरोपितों की संख्या बढ़कर 85 हो गई है।

## गडकरी और हरदीप पुरी ने देश की पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार का शुभारंभ किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ यहां भारत की पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार का शुभारंभ किया। यह पहल मारुति सुजुकी द्वारा की गई है। गडकरी ने इस अवसर पर कहा कि फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों से उत्सर्जन में कमी आएगी, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटेगी और लगभग 1.44 लाख करोड़ रुपये का विदेशी मुद्रा बचत संभव होगी। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ, टिकाऊ और आत्मनिर्भर गतिशीलता के विज़न के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि यह कदम बायोफ्यूल को बढ़ावा देगा, किसानों को सहारा देगा, ग्रामीण ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा और रोजगार के अवसर पैदा करेगा। परिवहन क्षेत्र से होने वाले प्रदूषण का

हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है और इसे कम करना सरकार की प्राथमिकता है। दिल्ली जैसे शहरों में लोग वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से भलीभांति परिचित हैं और इस दिशा में ठोस कदम उठाना जरूरी है। गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरदीप सिंह पुरी की विशेष पहल और मारुति सुजुकी जैसी कंपनियों के सहयोग से भारत ने यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है।

## स्टॉक मार्केट में ऑरिएट ट्रेड की निराशाजनक शुरुआत, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केमिकल ट्रेडिंग के काम में जुटी कंपनी ऑरिएट ट्रेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 70 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर टूट कर 66.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। ऑरिएट ट्रेड का 27.29 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 से दो जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.43 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 38.98 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

## भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682.2 अरब डॉलर के बेहद मजबूत स्तर पर, अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति मेंः आरबीआई गवर्नर

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 682.2 अरब डॉलर के बेहद मजबूत स्तर पर पहुंच चुका है, जो बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करता है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 11 महीने के आयात को कवर करने में सक्षम है और यह देश के बाह्य ऋण का 89 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कवर करता है। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार की यह स्थिति भारत की आर्थिक मजबूती और वित्तीय स्थिरता को दर्शाती है। अपनी बहुप्रतीक्षित मौद्रिक नीति की घोषणा के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ??ने कहा, 'भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682.2 अरब डॉलर के बेहद मजबूत स्तर पर है। यह भंडार पर्याप्तता के मानक मापदंडों के अनुसार पर्याप्त है, जिसमें लगभग 11 महीने का आयात कवर और 89 प्रतिशत से अधिक का बाह्य ऋण कवर शामिल है।'

विनिमय दर को लेकर आरबीआई गवर्नर ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक रुपए के किसी विशेष स्तर या सीमा को लक्ष्य नहीं बनाता है। उन्होंने कहा कि विनिमय दर को बाजार की शक्तियों के अनुसार तय होने दिया जाता है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और सट्टेबाजी के दबावों के कारण कभी-कभी बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। ऐसे हालात में आरबीआई का उद्देश्य बाजार आधारित बदलावों को रोकना नहीं, बल्कि अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करना और अव्यवस्थित बाजार गतिविधियों को रोकना होता है। संजय मल्होत्रा ने आगे बताया कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं का असर दुनिया भर के बाजारों पर पड़ रहा है। इसका प्रभाव भारत की विकास दर और महंगाई के अनुमान पर भी देखा जा सकता है। इसके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि आरबीआई बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है और जरूरत पड़ने पर उपलब्ध सभी नियामकीय तथा बाजार आधारित साधनों का इस्तेमाल करेगा। साथ ही केंद्रीय बैंक ऐसी नीतियां बनाने पर भी ध्यान दे रहा है जो चुनौतियों का सामना करने के साथ-साथ भारत की व्यापक आर्थिक बुनियाद को और मजबूत करें।

इसके साथ ही, आरबीआई ने विदेशी पूंजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदमों की घोषणा की है। गवर्नर ने बताया कि फुली एक्सेसिबल रूट (एफएआर) के तहत अब 15, 30 और 40 वर्ष की अवधि वाली सभी नई सरकारी प्रतिभूतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे पहले केवल 10 वर्ष तक की अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियां ही इस व्यवस्था के दायरे में आती थीं। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) द्वारा लिए जाने वाले बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) को प्रोत्साहित करने के लिए 13 सितंबर 2026 तक रियायती विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। माना जा रहा है कि इससे विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा और कंपनियों को कम लागत पर फंड जुटाने में मदद मिलेगी। जैसा कि व्यापक रूप से उम्मीद थी, आरबीआई ने ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखते हुए तटस्थ रुख बनाए रखा है, जो घरेलू विकास और मांग में अटूट विश्वास को दर्शाता है। साथ ही, आरबीआई ने यह भी स्वीकारा कि वैश्विक अनिश्चितताएं मौजूद हैं और भविष्य में नीतिगत कार्रवाई के लिए इन पर बारीकी से नजर रखी जाएगी।

## युद्ध शक्तियों पर मतदान को लेकर ट्रंप भड़के, बोले–'फिजूल फैसला'

**एजेंसी**
**वॉशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई के लिए राष्ट्रपति की शक्तियों को सीमित करने संबंधी अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के मतदान को 'फिजूल' करार दिया है। ट्रुथ सोशल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रतिनिधि सभा ने हाल में ही एक विधेयक को 215-208 मतों से पारित किया, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति को कांग्रेस की मंजूरी के बिना ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने से रोकना है। इस मतदान में चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मतदान ऐसे समय में हुआ है जब उनकी सरकार ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए अंतिम चरण की वार्ताओं में लगी हुई है। उन्होंने लिखा, 'कल हाउस ने एक निरर्थक मतदान किया। चार बेकार रिपब्लिकन और सभी डेमोक्रेट्स ने मेरी युद्ध शक्तियों को सीमित करने के पक्ष में मतदान किया, जबकि मैं ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए अंतिम वार्ता कर रहा हूं। ऐसा देश के खिलाफ काम कौन करेगा?' ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे 'ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम' से ग्रस्त हैं और उनकी किसी भी उपलब्धि को स्वीकार नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेट्स देश की सफलता से ज्यादा उनकी राजनीतिक असफलता चाहते हैं।

## डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर इबोला रोकथाम में सहयोग करेगा ऑस्ट्रेलिया

**कैनबरा।** ऑस्ट्रेलिया सरकार ने मध्य अफ्रीका में फैले इबोला प्रकोप से निपटने और बीमारी को आगे फैलने से रोकने के लिए वैश्विक प्रयासों में आर्थिक मदद देने की घोषणा की। विदेश मंत्री पेनी वोंग और अंतरराष्ट्रीय विकास मंत्री ऐन एली ने एक संयुक्त बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलिया इस पहल के लिए 50 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 36 लाख अमेरिकी डॉलर) की सहायता देगा। बयान में कहा गया, 'ऑस्ट्रेलिया की यह मदद इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के माध्यम से दी जाएगी। इससे जरूरी चिकित्सा सेवाएं और दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी, स्वच्छ पानी और सफाई से जुड़ी सेवाओं को बेहतर बनाया जाएगा, बीमारी की निगरानी और तैयारी को मजबूत किया जाएगा, और स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था को भी सशक्त किया जाएगा।' डब्ल्यूएचओ के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में चल रहे इबोला प्रकोप के दौरान अब तक 344 मामलों की पुष्टि हुई है और 60 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, युगांडा में 15 मामले सामने आए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है। एजेंसी के अनुसार, डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बेहतर समन्वय और लगातार प्रयासों की वजह से डीआरसी में इबोला प्रकोप से निपटने की स्थिति अब धीरे-धीरे सुधर रही है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस, जो हाल ही में डीआरसी के दौरे से लौटे हैं, ने कहा कि वहां लोगों और संस्थाओं की प्रतिबद्धता देखकर उन्हें काफी हौसला मिला है।

## बांग्लादेश में फिल्म स्क्रीनिंग रोकी, मानवाधिकार संगठन ने की कड़ी आलोचना

**बांग्लादेश।** बांग्लादेश में एक फिल्म की निर्धारित स्क्रीनिंग पर प्रशासन ने ऐन मौके पर पाबंदी लगा दी। एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने इसकी सख्त शब्दों में निंदा की है। संगठन का आरोप है कि यह कदम कथित कट्टरपंथी दबाव के कारण उठाया गया और इससे देश में सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। फ्रांस स्थित संगठन जस्टिस मेकर्स बांग्लादेश इन फ्रांस (जेएमबीएफ) ने कहा कि यह मामला केवल एक फिल्म स्क्रीनिंग को रोकने का नहीं है, बल्कि यह 'सांस्कृतिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्र विचार पर सीधा हमला' है। रिपोर्ट के अनुसार, ब्राह्मणबाड़िया फिल्म सोसाइटी ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर 30 मई को 'बोनोलता एक्सप्रेस' फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन अन्नदा सरकारी हाई स्कूल में किया था। लेकिन स्क्रीनिंग की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर विरोध अभियान शुरू हो गया। इसमें कुछ छात्रों और कवमी मदरसा से जुड़े संगठनों पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने इस कार्यक्रम का विरोध किया और इसे धार्मिक दृष्टि से आपत्तिजनक बताया।

## इजरायल और लेबनान के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में युद्धविराम पर बनी सहमति

**वॉशिंगटन।** इजरायल और लेबनान ने वॉशिंगटन में दो दिनों तक चली अमेरिका की मध्यस्थता वाली बातचीत के बाद युद्धविराम लागू करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने आगे भी सीधे बातचीत जारी रखने और सुरक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाने का वादा किया है, ताकि दक्षिणी लेबनान में किसी भी गैर-सरकारी सशस्त्र समूह की वापसी रोकी जा सके। यह समझौता दो और तीन जून को अमेरिकी विदेश विभाग में हुई अमेरिका, इजरायल और लेबनान की चौथी उच्च स्तरीय त्रिपक्षीय बैठक के बाद सामने आया। इस फैसले की घोषणा करते हुए अमेरिकी विदेश विभाग के काउंसलर डैन हॉलर ने कहा, 'अमेरिका के नेतृत्व में हुई बातचीत के नतीजे के तौर पर इजरायल और लेबनान ने युद्धविराम लागू करने पर सहमति दी है।' तीनों देशों के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह युद्धविराम इस शर्त पर लागू होगा कि 'हिज्बुल्लाह की ओर से पूरी तरह से गोलीबारी बंद हो और उसके सभी लड़ाके दक्षिण लिटानी क्षेत्र से हट जाएं।'

# भारत-वियतनाम के आध्यात्मिक संबंधों को नया आयाम, हनोई में खुला बौद्ध धर्म केंद्र

**एजेंसी**
**हनोई।** भारत और वियतनाम के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वियतनाम की राजधानी हनोई में एक नए बौद्ध केंद्र का उद्घाटन किया गया। हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कहा, 'बौद्ध धर्म भारत और वियतनाम के लोगों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक बंधन है। बौद्ध धर्म ने दोनों देशों की मित्रता को मजबूत करने में हमेशा अहम भूमिका निभाई है और आगे भी निभाता रहेगा। वज्रयान ड्रिगुंग काग्यु ??समतेन लिंग धर्म केंद्र 4 जून को हनोई में खोला गया।' दूतावास ने बताया कि उद्घाटन समारोह में जियान पगोडा के महंत एवं वियतनाम बौद्ध संघ की केंद्रीय कार्यकारी परिषद के सदस्य परम

पूज्य थिच मिन्ह न्यीएम, परम श्रद्धेय खेनत्रुल खुंगा कोंचोक तेनजिन रिनपोछे, अन्य पूज्य खेनपो, संघ के सदस्य तथा श्रद्धालु उपस्थित रहे। भारतीय दूतावास के अनुसार, यह धर्म केंद्र आध्यात्मिकता और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी जुड़ाव को और मजबूत करेगा। वियतनाम में भारत के राजदूत शेरिंग डब्ल्यू शेरपा ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया। भारतीय दूतावास ने वियतनाम बौद्ध संघ को उसके लगातार सहयोग और साझेदारी के लिए धन्यवाद भी दिया।

पिछले महीने राजदूत शेरपा ने हनोई के येन फू पगोडा में आयोजित वेसाक दिवस समारोह में भी भाग लिया था। उस दौरान उन्होंने कहा था कि बौद्ध धर्म से जुड़ा आध्यात्मिक और दार्शनिक रिश्ता आज भी भारत और वियतनाम के संबंधों को प्रभावित और मजबूत कर रहा है।

6 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत और वियतनाम के संबंधों को बढ़ाकर 'बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर पहुंचा दिया गया है।

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में वियतनाम के राष्ट्रपति टो लाम के साथ बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने वियतनाम को भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और 'विजन महासागर' का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया था। वियतनामी राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'राष्ट्रपति टो लाम ने अपनी भारत यात्रा की शुरुआत बोधगया से की। यह हमारे दोनों देशों की साझा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाता है। उनकी इस यात्रा और हमारी सार्थक बातचीत के जरिए हम आपसी सद्भावना को ठोस परिणामों में बदल रहे हैं।'

## चीन फैक्टर अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को सीमित करता है : पूर्व अमेरिकी सहायक सचिव

**एजेंसी**
**वाशिंगटन।** पूर्व अमेरिकी सहायक विदेश सचिव (दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों) निशा देसाई बिस्वाल ने दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि हो सकता है कि पाकिस्तान ने ट्रंप सरकार के साथ अवसरों का कुशलतापूर्वक लाभ उठाकर वाशिंगटन में अपनी मौजूदगी और प्रभाव बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच गहरे रणनीतिक संबंध अंततः अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों की प्रगति की सीमा तय करेंगे। उन्होंने बताया कि हालिया विकास के बावजूद, स्ट्रक्चरल सच्चाई अमेरिका-पाकिस्तान के संबंधों को रोक रही है। बिस्वाल ने कहा, 'अमेरिका-पाकिस्तान संबंध कितना आगे जा सकता है, इसकी कुछ सीमाएं हैं, क्योंकि इस्लामाबाद की बुनियादी बातें नहीं बदली हैं।' उन्होंने खास तौर पर चीन के साथ पाकिस्तान के पुराने संबंधों की ओर इशारा किया और कहा, 'पाकिस्तान और चीन के बीच एक गहरा रणनीतिक और सैन्य संबंध है, एक इंटेलिजेंस संबंध है, साथ ही एक आर्थिक निर्भरता और एक तकनीकी निर्भरता भी है।' उन्होंने कहा कि ये फैक्टर्स, संबंधों में समय-समय पर होने वाले सुधारों के बावजूद, वाशिंगटन के कैलकुलेशन को बनाते रहेंगे। इससे अमेरिका में संस्थानों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा कि अमेरिका-पाकिस्तान संबंध कितना आगे जा सकता है। अमेरिका की पूर्व सहायक विदेश सचिव ने कहा, 'भले ही लीडर के स्तर पर और पाकिस्तान के अंदर नेतृत्व के स्तर पर ट्रंप सरकार के साथ इस तरह की एंगेजमेंट हो रही हो, मुझे लगता है कि इसकी एक लिमिट है कि यह कितना आगे जा सकता है।' बिस्वाल की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत वाशिंगटन और इस्लामाबाद के बीच नए सिरे से एंगेजमेंट के संकेतों पर करीब से नजर रख रहा है।

## ईरान से बातचीत जारी, कूटनीति से या सैन्य कार्रवाई से, जीत हमारी होगीः ट्रंप

**एजेंसी**
**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अभी भी जारी है। चाहे कूटनीति से हो या सैन्य कार्रवाई से, आखिर में जीत अमेरिका की ही होगी। टंप ने साफ कर दिया कि किसी भी समझौते की सबसे बड़ी शर्त यह होगी कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार न बना सके। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना है। ईरान के साथ चल रही बातचीत के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'देखते हैं क्या होता है। हम एक न एक तरीके से जीतेंगे। तो कागज पर समझौते के जरिए जीतेंगे या फिर सैन्य ताकत से। किसी भी तरह, जीत हमारी ही होगी।' उन्होंने कहा कि बातचीत का सबसे अहम मुद्दा वही है जो पहले से रहा है। ट्रंप ने कहा, 'समझौते का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। इसके बाद होर्मुज स्ट्रेट तुरंत खुल जाएगा।' ट्रंप का कहना था कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के मुद्दे पर लगभग पूरी दुनिया सहमत है। उन्होंने कहा, 'आप ईरान को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दे सकते। लगभग हर कोई इस बात से सहमत है।' उन्होंने संभावित नए समझौते की तुलना पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर में हुए परमाणु समझौते से भी की। ट्रंप ने कहा, 'ओबामा ने गलत देश चुना था। मैंने उस समझौते को खत्म कर दिया था, क्योंकि वह ईरान को परमाणु हथियार तक पहुंचाने का रास्ता था। अभी बातचीत अच्छी चल रही है, आगे क्या होगा यह कोई नहीं जानता। समझौते में ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा।' जब उनसे पूछा गया कि अगर ईरान अमेरिकी सैनिकों को मारता है, तो क्या अमेरिका सैन्य जवाब देगा, तो उन्होंने कहा, 'अगर वे अमेरिकी सैनिकों को मारते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं बहुत जल्दी कार्रवाई करूंगा।' ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता के साथ कूटनीतिक बातचीत की संभावना बनी रह सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुलाकात हुई तो मुझे सम्मान महसूस होगा। मैं देखना चाहूंगा कि क्या हम कोई समझौता कर सकते हैं।' क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए यूरोपीय सहयोगियों का समर्थन मांगा था, लेकिन जरूरत पड़ने पर अमेरिका अकेले भी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें उनकी मदद की जरूरत नहीं है। दुनिया की सबसे ताकतवर सेना हमारे पास है।' ट्रंप की ये टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं जब ईरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर लंबे समय के समझौते के लिए कूटनीतिक कोशिशें जारी हैं।

## भारत पर दबाव डालने की नीति अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए हानिकारक : पुतिन

**एजेंसी**
**मॉस्को।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक' है। रूस के राष्ट्रपति ने सेंट पीटर्सबर्ग के कॉन्स्टेंटाइन पैलेस में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के दौरान यह बात कही। क्रेमलिन के अनुसार, पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पुतिन ने कहा, 'मुझे आपका सवाल थोड़ा अजीब लगा। आपने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग की वजह से रूस और भारत के रिश्तों में दिक्कतें पैदा हो रही हैं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा है।' उन्होंने कहा कि? आप ऐसा क्यों सोचते हैं? हम पूरी तरह तैयार हैं। हमें खुशी है कि भारत सभी देशों के साथ अपने रिश्ते विकसित कर रहा है। वह एक महान देश है, जिसकी आबादी 1.5 अरब है, जिसकी अर्थव्यवस्था बड़ी है, और जिसे कई लोग दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं।' पुतिन ने कहा कि यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि भारत अपने हितों के अनुसार अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाए और जिन देशों के साथ जरूरी समझे, उनके साथ सहयोग करे। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'कुछ मामलों में अमेरिका भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। उदाहरण के लिए, रूस के साथ कुछ क्षेत्रों में सहयोग को लेकर, लेकिन अब सभी यह समझ चुके हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक है, चाहे यह दबाव कहीं से भी आए।' रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'टास' के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ होने वाली यह वार्षिक बैठक दुनिया की प्रमुख मीडिया संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों और पत्रकारों के साथ अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, आर्थिक मुद्दों और रूस की विदेश नीति पर सवाल-जवाब के रूप में चर्चा करने का अवसर देती है। यह बैठक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान हो रही है, जो तीन जून से छह जून तक आयोजित होगी।दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की एक महत्वपूर्ण राजकीय यात्रा की थी। दो दिनों तक चली इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली में शिखर स्तर की वार्ताएं, औपचारिक कार्यक्रम और कई द्विपक्षीय बैठकें हुई थीं। इन चर्चाओं में रक्षा सहयोग, आर्थिक साझेदारी, ऊर्जा संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बात हुई थी। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ औपचारिक बातचीत भी की थी। दोनों नेताओं ने भारत-रूस साझेदारी की समीक्षा की थी, जिसे 'रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा मिले 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं।

## ईरान संघर्ष से बढ़ी महंगाई अस्थायी, जल्द कम होंगी कीमतेंः अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट

**एजेंसी**
**वॉशिंगटन।** अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप प्रशासन की नीतियों का बचाव किया। बढ़ती ईंधन और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को लेकर हो रही आलोचना के बीच उन्होंने लॉमेकर्स से कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण बढ़ी महंगाई अस्थायी है और स्थिति सामान्य होने पर कीमतें फिर कम हो जाएंगी। यह मुद्दा प्रतिनिधि सभा की वेज एंड मीन्स समिति की लंबी और कई बार तीखी सुनवाई के दौरान बार-बार उठा। डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने आरोप लगाया कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण ईंधन, घरेलू खर्च और महंगाई बढ़ी है, जिससे अमेरिकी परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। बेसेंट ने माना कि इस संघर्ष का असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव स्थायी नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''ईरान संघर्ष के कारण कीमतों में अल्पकालिक बढ़ोतरी हुई है, जो समय के साथ कम हो जाएगी।''

वित्त मंत्री ने कहा कि हालिया

मूल्य वृद्धि के बावजूद अमेरिकी अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है और इसके समर्थन में रोजगार वृद्धि, निजी क्षेत्र में निवेश और वेतन बढ़ने का हवाला दिया। हालांकि डेमोक्रेटिक प्रतिनिधियों ने इस दावे पर सवाल उठाए। समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य रिचर्ड नील ने कहा कि परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों पर पहले से अधिक खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने बढ़ती कीमतों के लिए टैरिफ और ईरान संघर्ष दोनों को जिम्मेदार ठहराया। कई डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने बढ़ती ईंधन कीमतों को खराब होती आर्थिक स्थिति का संकेत बताया। जुडी चू ने कहा कि अमेरिकी नागरिक अब भी पेट्रोल, किराने के सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए ज्यादा कीमत चुका रहे हैं। वहीं ब्रेंडन बॉयल ने अर्थव्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर जनता में बढ़ती नाराजगी का उल्लेख किया।

जॉन लार्सन ने बेसेंट से पूछा कि क्या इस संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया, ''जी हां, संघर्ष की वजह से कीमतें बढ़ीं।'' हालांकि उन्होंने दोहराया कि यह बढ़ोतरी अस्थायी है और व्यापक महंगाई की स्थिति नियंत्रण में बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के पद संभालने के बाद से कोर महंगाई दर में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई है।'' बेसेंट ने ईरान संघर्ष को लेकर प्रशासन की व्यापक नीति का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता है और इसके लिए अल्पकालिक आर्थिक परेशानियां स्वीकार की जा सकती हैं।

## अमेरिका-चीन के बीच शांति कुछ समय के लिए ही हो सकती है : पूर्व डिप्लोमैट

**एजेंसी**
**वाशिंगटन।** दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों की पूर्व सहायक सचिव निशा देसाई बिस्वाल ने कहा है कि ऐसा लगता है कि अमेरिका और चीन अपने संबंधों में स्थिरता लाने की कोशिश कर रहे हैं। यह ज्यादातर आर्थिक वजहों से हो रहा है, लेकिन दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बीच टकराव की असली वजहें वैसी ही हैं। आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में बिस्वाल ने कहा कि बीजिंग के प्रति वाशिंगटन का मौजूदा नजरिया तनाव को मैनेज करने और ज्यादा भरोसेमंद संबंध बनाने पर केंद्रित है, खासकर इस साल के आखिर में होने वाली राजनीतिक रूप से अहम घटनाओं से पहले। बिस्वाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि अमेरिका अभी ऐसे मोड में है, जहां वह चीन के साथ एक स्थिर संबंध बनाना चाहता है। इसके पीछे मजबूत आर्थिक वजहें भी हैं। इस साल के आखिर में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अमेरिका की संभावित यात्रा, बड़ी रणनीतिक असहमतियों के बजाय तुरंत की आर्थिक प्राथमिकताओं से तय हो सकती है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मिडटर्म चुनावों से ठीक पहले इस पतझड़ में राष्ट्रपति शी का एक आपसी दौरा कुछ ज्यादा जरूरी आर्थिक मुद्दों पर फोकस करेगा, जिन पर वे निवेश, खेती-बाड़ी के व्यापार वगैरह के मामले में गौर करना चाहेंगे।' हालांकि, बिस्वाल ने मौजूदा डिप्लोमैटिक बातचीत को वाशिंगटन और बीजिंग के बीच संबंधों में बड़े बदलाव के सबूत के तौर पर देखने के खिलाफ चेतावनी दी। अमेरिका की पूर्व सहायक विदेश सचिव ने कहा, 'फिर से, अमेरिका चीन की बुनियादी बातें नहीं बदली हैं।' उन्होंने सुझाव दिया कि हाल के सालों में आपसी संबंधों को बताने वाले कुछ ज्यादा मुश्किल मुद्दे अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद फिर से उभर सकते हैं।

## ईरान के बाद क्यूबा पर फोकस करेंगे ट्रंप, सख्त रुख के दिए संकेत

**एजेंसी**
**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को एक 'विफल देश' बताया। उन्होंने कहा कि वहां की साम्यवादी सरकार पर दबाव बढ़ रहा है और ईरान से जुड़े मौजूदा मुद्दों के निपटारे के बाद उनका प्रशासन क्यूबा पर अधिक ध्यान देगा। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा की आर्थिक परेशानियां इसलिए बढ़ी हैं क्योंकि वेनेजुएला में बदलाव आया है। उनके अनुसार, वेनेजुएला लंबे समय से हवाना को आर्थिक और ऊर्जा सहायता देता रहा था। ट्रंप ने कहा, 'यह एक विफल देश है। वेनेजुएला ने वर्षों तक उनकी मदद की, क्योंकि उसके पास जमीन के नीचे बहुत बड़ी संपत्ति थी।' राष्ट्रपति ने कहा कि क्यूबा आर्थिक संकट से जूझ रहा है और उसके पास खुद को संभालने के लिए जरूरी संसाधनों की कमी है। उन्होंने कहा, ''देश भूख से जूझ रहा है। उसके पास ऊर्जा नहीं है, तेल नहीं है, पैसा नहीं है, कुछ भी नहीं है। हालांकि उसके पास बहुत अच्छी जमीन है।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या हालिया प्रतिबंधों का उद्देश्य क्यूबा सरकार के पतन को तेज करना है, तो ट्रंप ने कहा कि उनका मकसद कुछ और है। उन्होंने

कहा, ''नहीं, हम सिर्फ चाहते हैं कि यह ऐसा देश बने जो अपने लोगों का पेट भर सके और अच्छी तरह चलाया जा सके।'' ट्रंप ने कहा कि क्यूबा लंबे समय तक वेनेजुएला की मदद से चलता रहा, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। उन्होंने कहा, ''वेनेजुएला उन्हें जिंदा रहने के लिए पैसा देता था। अब वह पैसा, आप कह सकते हैं, हमारी तरफ आ रहा है और वेनेजुएला की ओर जा रहा है।''

जब उनसे पूछा गया कि क्या क्यूबा पतन के करीब है, तो ट्रंप ने संकेत दिया कि वहां की आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था पहले से ही गंभीर संकट में है। उन्होंने कहा, ''यह लगभग ढह चुका है। और हम इसे जल्द ही संभालेंगे।'' ईरान से जुड़े तनाव और कूटनीतिक प्रयासों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, ''मुझे एक समय में एक ही काम करना पसंद है। हम पहले ईरान के इस्लामी गणराज्य का मामला संभालेंगे। उसके बाद लौटते समय वहां एक छोटा-सा पड़ाव करेंगे।'' राष्ट्रपति ने अमेरिका-क्यूबा संबंधों के भविष्य को लेकर भी अपनी सोच रखी। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन ऐसे हालात बनाना चाहता है, जिससे क्यूबा मूल के अमेरिकी अपने रिश्तेदारों से दोबारा जुड़ सकें और वहां निवेश कर सकें। ट्रंप ने कहा, ''हम क्यूबा के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। हम अपने लोगों को वहां वापस जाने देंगे और अगर वे चाहें तो क्यूबा में निवेश भी कर सकेंगे।'' उन्होंने कहा, ''क्यूबा के लिए हमारे पास कुछ बहुत अच्छी योजनाएं हैं।'' ट्रंप ने फ्लोरिडा में रहने वाले क्यूबा मूल के अमेरिकियों के बीच अपने मजबूत राजनीतिक समर्थन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''95 प्रतिशत क्यूबा के लोगों ने यहां मुझे वोट दिया। वे अद्भुत लोग हैं। उनमें ऊर्जा है और वे उद्यमी हैं।''

इन टिप्पणियों को हाल के महीनों में ट्रंप का सबसे स्पष्ट संकेत माना जा रहा है कि ईरान और व्यापक मध्य-पूर्व सुरक्षा मुद्दों पर मौजूदा प्रयासों के बाद क्यूबा अमेरिकी विदेश नीति की प्राथमिकताओं में ऊपर आ सकता है।

## बांग्लादेश में खसरे के प्रकोप से चार की मौत, मृतकों की संख्या बढ़कर 605 हुई

**एजेंसी**
**ढाका।** स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश में खसरा और खसरे जैसे लक्षणों से चार और लोगों की मौत हो गई, जिससे देश में बढ़ते स्वास्थ्य संकट के बीच इस साल 15 मार्च से अब तक पुष्टि और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या 605 हो गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, गुरुवार की सुबह से पहले के 24 घंटों में इन मौतों की सूचना मिली थी। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी की रिपोर्ट के अनुसार, चार मृतकों में से एक की मौत खसरा से होने की पुष्टि हुई, जबकि शेष तीन की मौत बीमारी के लक्षणों के साथ हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुष्टि की गई मौतों की संख्या बढ़कर 91 हो गई है, जबकि संदिग्ध मौतों की संख्या 514 तक पहुंच गई है। डीजीएचएस ने पिछले 24 घंटों में 1,136 नए संदिग्ध मामले भी दर्ज किए हैं, जिससे कुल संख्या बढ़कर 75,708 हो गई है। इसके अतिरिक्त, 69 नए पुष्ट मामले सामने आए, जिससे इसी अवधि के दौरान पुष्ट मामलों की कुल संख्या 9,260 हो गई। बांग्लादेश के डेली स्टार अखबार के एक संपादकीय के अनुसार, देश में खसरा संक्रमण में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों में जटिलताएं और मृत्यु दर बढ़ रही है। इसमें आगे कहा गया है कि इस महामारी ने देशभर में स्वास्थ्य सुविधाओं पर काफी दबाव डाला है, विशेष रूप से बाल चिकित्सा आईसीयू सहायता, आइसोलेशन वार्ड, वेंटिलेटरी देखभाल और संक्रमण नियंत्रण प्रणालियों पर। इस बीच, देशभर में खसरे के बढ़ते प्रकोप पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अवामी लीग ने कहा कि यह संकट कोई 'प्राकृतिक आपदा' नहीं, बल्कि 'शासन की मानव निर्मित विफलता' है जो पूर्व मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान शुरू हुई और सत्तारूढ़ बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत भी जारी है। अवामी लीग ने आरोप लगाया कि इस त्रासदी की जड़ें अंतरिम सरकार के दौरान लिए गए विनाशकारी निर्णयों में निहित हैं। सितंबर 2025 में अंतरिम शासन के तहत अधिकारियों ने कथित तौर पर संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के माध्यम से विश्वसनीय वैक्सीन खरीद प्रणाली को छोड़ दिया और यूनिसेफ की बार-बार की चेतावनियों, जिनमें कई औपचारिक पत्र और उच्च स्तरीय बैठकें शामिल थीं।

## होर्मुज स्ट्रेट फिर खुलेगा और सुरक्षित रहेगा, यूरोपीय देशों की मदद की जरूरत नहींः ट्रंप

**एजेंसी**
**अमेरिका।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए अमेरिका को यूरोपीय सहयोगियों की सैन्य मदद की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अहम समुद्री रास्ता फिर से खुलेगा और सुरक्षित रहेगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ईरान, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति जैसे मुद्दों पर विस्तार से बात की। होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा में यूरोपीय देश की मदद के सवाल पर ट्रंप ने कहा हमें उनकी मदद की जरूरत नहीं है। हमारे पास दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों को इसमें शामिल होने का मौका दिया था। हम नाटो देशों के पास गए और दूसरे देशों से भी बात की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने कहा था कि अगर आप मदद करना चाहें तो बहुत अच्छा होगा, लेकिन सबने इसे ठुकरा दिया।' ट्रंप का कहना था कि यह फैसला उन देशों के लिए आगे चलकर महंगा साबित हो सकता है, क्योंकि वे खाड़ी क्षेत्र से आने वाली ऊर्जा पर काफी निर्भर हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास अपनी जरूरत से ज्यादा तेल और ऊर्जा संसाधन हैं, लेकिन कई दूसरे देश अब भी खाड़ी क्षेत्र से होने वाली ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर हैं।

## चीन से जुड़े डेटा सुरक्षा के डर को ट्रंप ने किया खारिज, बोले- चिंता की बात नहीं

**एजेंसी**
**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच संबंध स्थिर बने हुए हैं। साथ ही, उन्होंने चीन के अमेरिका में डेटा सेंटर परियोजनाओं के विरोध को कथित समर्थन दिए जाने को कोई बड़ा खतरा मानने से इनकार किया। व्हाइट हाउस में बातचीत के दौरान ट्रंप ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि अमेरिकी तकनीकी ढांचे के खिलाफ चीन के प्रभाव अभियान कोई बड़ा खतरा हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चिंता है कि चीन अमेरिका में डेटा सेंटर विरोधी आंदोलन को फंडिंग दे रहा है, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'नहीं, मुझे इसकी चिंता नहीं है।'

राष्ट्रपति ने इसके बजाय दोनों देशों के बीच हाल में हुई कूटनीतिक बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, 'चीन के साथ हमारी बहुत अच्छी बैठक हुई।'

ट्रंप ने जासूसी और निगरानी को लेकर जताई जा रही चिंताओं को भी अधिक महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास उन्नत क्षमताएं हैं। उन्होंने कहा, 'लोग पूछते हैं, क्या आपको चिंता है कि चीन आपका फोन टैप कर रहा है? मैंने कहा, वे भी शायद इसी बात को लेकर चिंतित होंगे।' ये टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं, जब ट्रंप प्रशासन ऊर्जा उत्पादन और एआई को अमेरिका की आर्थिक प्रतिस्पर्धा के प्रमुख आधार के रूप में पेश कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि एआई की वैश्विक दौड़ में सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि किसी देश के पास पर्याप्त और भरोसेमंद ऊर्जा उपलब्ध है या नहीं। यह प्रतिस्पर्धा अब अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, 'एआई बहुत बड़ी चीज है। भारी मात्रा में ऊर्जा के बिना आप इस दौड़ में शामिल भी नहीं हो सकते।' ट्रंप ने कहा, 'हम एआई के क्षेत्र में चीन से काफी आगे हैं। मैं इस बारे में राष्ट्रपति शी से बात कर रहा था।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में से एक बड़ी ऊर्जा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देना है, ताकि एआई के विकास को समर्थन मिल सके। ट्रंप ने पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रशासक ली जेल्डिन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने नियामकीय मंजूरियों की प्रक्रिया तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि उन्नत एआई सुविधाएं विकसित करने वाली कंपनियों को अब अपनी बिजली उत्पादन क्षमता विकसित करने की अनुमति भी दी जा रही है। ट्रंप ने कहा, 'हमने जो सबसे बड़े कामों में से एक किया है, वह यह है कि हमने इन प्रतिभाशाली लोगों को, जिनके पास बहुत पैसा है, अपना खुद का बिजली संयंत्र बनाने की अनुमति दी है।' ट्रंप के अनुसार, इस नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बड़े एआई प्रोजेक्ट मौजूदा बिजली नेटवर्क पर अत्यधिक दबाव न डालें। उन्होंने कहा, 'वे एक तरफ बिजली संयंत्र बना रहे हैं और साथ ही बिजली का उत्पादन भी कर रहे हैं। अगर हमने ऐसा नहीं किया होता, तो कुछ भी संभव नहीं हो पाता।' ऊर्जा नीति पर व्यापक चर्चा के दौरान भी चीन का कई बार जिक्र हुआ। ट्रंप ने कोयला उत्पादन और कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के समर्थन का बचाव करते हुए चीन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, 'अगर आप चीन और कई अन्य सफल देशों को देखें, तो वे कोयले का इस्तेमाल कर रहे हैं।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि चीन एक तरफ अपने यहां कोयला आधारित ढांचे का विस्तार कर रहा है, जबकि दूसरी ओर दुनिया को नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकें निर्यात कर रहा है।

उन्होंने कहा, 'चीन ने पिछले साल 52 कोयला बिजली संयंत्र बनाए।'

page 1 and 8 June 6_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/6/2026 2:00 AM Page 2



# स्थानीय समाचार

## जम्मू मौसम केंद्र का शुभारंभ- जितेंद्र सिंह ने उत्तरी मौसम सेवाओं के विकेंद्रीकरण का मंत्र दिया

**जम्मू, 5 जून (हि.स.)।** केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को जम्मू में एक क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के शुभारंभ के साथ भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पुनर्गठन की घोषणा की और कहा कि यह कदम देश की मौसम पूर्वानुमान एजेंसी के 151 साल के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

सिंह ने कहा कि दिल्ली क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के कार्यभार को विकेंद्रीकृत करने और पूरे उत्तर भारत में मौसम पूर्वानुमान, पूर्व चेतावनी प्रसार और आपदा तैयारियों में सुधार करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने 151 साल पूरे कर लिए हैं। इस लंबी यात्रा में जम्मू, दिल्ली और लखनऊ में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित करके दिल्ली को तीन भागों में विभाजित करने के साथ आज एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र जिसे क्षेत्रीय केंद्र में अपग्रेड किया गया है, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश की मौसम सेवा आवश्यकताओं को पूरा करेगा जिसमें पर्वतीय मौसम विज्ञान, बर्फ की भविष्यवाणी और उच्च ऊंचाई वाली मौसम सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि पहले की व्यवस्था में पूरे उत्तरी क्षेत्र को दिल्ली केंद्र के अधीन रखा गया था जिससे मौसम संबंधी सेवाओं के बेहतर रखरखाव और कुशल कामकाज के लिए विकेंद्रीकरण आवश्यक हो गया था।

## गदाधर मंदिर को हुए नुकसान पर कांग्रेस ने जताई चिंता, उच्चस्तरीय जांच की मांग

**जम्मू, 05 जून (हि.स.)।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मुबारक मंडी स्थित ऐतिहासिक गदाधर मंदिर परिसर का दौरा कर हाल ही में हुए नुकसान का जायजा लिया। नेताओं ने मंदिर के निकट चल रहे खुदाई कार्यों पर चिंता व्यक्त करते हुए मामले की जांच तथा मंदिर के संरक्षण एवं मरम्मत कार्य को युद्धस्तर पर शुरू करने की मांग की। कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला, मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा और पूर्व एमएलसी वेद महाजन के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय निवासियों से मुलाकात की। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि खुदाई कार्य के दौरान पर्याप्त तकनीकी सावधानी नहीं बरती गई जिससे मंदिर परिसर की दीवार और आसपास के हिस्सों को नुकसान पहुंचा।

## छात्रों को करियर, उद्यमिता और पेशेवर विकास के गुर बताए

**जम्मू, 05 जून (हि.स.)।** श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के बोर्ड ऑफ प्रोफेशनल एक्टिविटीज (बीपीए) के अंतर्गत संचालित सविश्कार क्लब ने एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया जिसमें अनुभवी पेशेवर आयशा रुंडा ने बतौर मुख्य वक्ता छात्रों से संवाद किया। सत्र के दौरान आयशा रुंडा ने करियर योजना, मानव संसाधन प्रबंधन, उद्यमिता, कार्यस्थल संस्कृति और व्यक्तिगत विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने छात्रों को बदलते पेशेवर परिवेश में सफलता के लिए अनुकूलन क्षमता प्रभावी संवाद कौशल निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी।

विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों और विभागों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए करियर विकल्पों, पेशेवर चुनौतियों और विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों को लेकर प्रश्न पूछे। वक्ता ने अपने व्यावहारिक अनुभवों के आधार पर छात्रों को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रगति कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए सविश्कार क्लब और बोर्ड ऑफ प्रोफेशनल एक्टिविटीज को ऐसे सार्थक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आरेशा कुरैशी और छात्र समन्वयक लब्बा पवन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही।

## वित्तीय साक्षरता पर सुविधा शिविर का आयोजन, बीबीबीपी के तहत एसडब्ल्यूडी श्रीनगर की पहल

**श्रीनगर, 5 जून।** सामाजिक कल्याण विभाग (एसडब्ल्यूडी)-संकल्प हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन (एसएएनकेएएलपी-एचईडब्ल्यू) श्रीनगर ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) पहल के तहत कावदारा, श्रीनगर में एक दिवसीय वित्तीय साक्षरता सुविधा शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य लाभार्थियों को वित्तीय जागरूकता प्रदान करना और उन्हें आवश्यक वित्तीय ज्ञान से सशक्त बनाना था। शिविर में विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग व्यक्तियों और आम जनता ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को समझदारी से वित्तीय प्रबंधन, बचत, बैंकिंग सेवाएं, डिजिटल भुगतान प्रणाली, सरकारी वित्तीय समावेशन योजनाएं तथा वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। शिविर के दौरान एसएएनकेएएलपी-एचईडब्ल्यू श्रीनगर के कर्मचारियों ने वित्तीय योजना, जिम्मेदार ऋण लेने, डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा तथा विभिन्न सरकारी कल्याण और बीमा योजनाओं के लाभों पर जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किए।

## रैली, पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से मनाया विश्व पर्यावरण दिवस, किया जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

**जम्मू, 05 जून (हि.स.)।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जीजीएम साइंस कॉलेज की एनएसएस इकाइयों ने पर्यावरण विज्ञान विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण, औषधीय पौधों की सुरक्षा और नशा मुक्ति को लेकर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। समर कैंप के तहत आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्थानीय समुदाय में पर्यावरणीय जिम्मेदारी तथा सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। 3 जून को आयोजित पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण और नशा विरोधी संदेशों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। इससे पहले 4 जून को डॉ. संदीप सहगल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सिल्वीकल्चर एवं एग्रोफॉरेस्ट्री प्रभाग, स्कुआस्ट-जम्मू ने 卐औषधीय पौधों की रक्षा करें और पर्यावरण बचाएं卐 विषय पर व्याख्यान दिया था। उन्होंने औषधीय पौधों के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर प्रो. पूनम कुंदन भी उपस्थित रहीं। वहीं 5 जून को फ़लायें मंडाल गांव में जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्थानीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण, सतत जीवनशैली और नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। पूरे कार्यक्रम का समन्वय एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. राहुल कैत और डॉ. नेहा शर्मा ने किया। समर कैंप का समापन पर्यावरण संरक्षण, औषधीय पौधों की सुरक्षा और नशामुक्त समाज के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ हुआ।

## एसीबी ने ज़ावूरा गार्डन मामले में पूर्व बागवानी अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया

**श्रीनगर, 05 जून।** भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने श्रीनगर के ज़ावूरा गार्डन में किए गए विकास कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताओं और प्रक्रियागत उल्लंघनों के आरोप में बागवानी विभाग के पूर्व अधिकारियों, समिति सदस्यों और एक निजी ठेकेदार के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि जावूरा गार्डन में बागवानी विभाग द्वारा किए गए कार्यों से संबंधित भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं, प्रक्रियागत उल्लंघनों और पद के दुरुपयोग के आरोपों की संयुक्त जांच के बाद मामला दर्ज किया गया। बयान में कहा गया है कि ज़ावूरा गार्डन में उत्कृष्टता केंद्र के विकास से संबंधित आरोपों की जांच के लिए श्रीनगर एसीबी पुलिस स्टेशन द्वारा संयुक्त जांच शुरू की गई थी। जांच में परियोजना के तहत किए गए कार्यों की निविदा और निष्पादन में गंभीर अनियमितताओं के प्रथम दृष्टया सबूत मिले हैं। जांच के दौरान यह सामने आया कि एनआईटी (निविदा सूचना) कथित तौर पर इस तरह से तैयार की गई थी जिसमें विशिष्ट गुणवत्ता मापदंड और तकनीकी विनिर्देशों का अभाव था जिससे मनमाने ढंग से निर्णय लेने की गुंजाइश बनी। यह भी पाया गया कि निविदा में शामिल वित्तीय प्रावधान स्वीकृत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में परिकल्पित प्रावधानों से काफी अधिक थे। जांच में यह भी पता चला कि वित्तीय कारोबार से संबंधित पात्रता मानदंड कथित तौर पर असामान्य रूप से उच्च सीमा पर निर्धारित किए गए थे जबकि वास्तविक आवश्यकता काफी कम थी। बयान में कहा गया है कि इस प्रतिबंधात्मक शर्त ने कथित तौर पर निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बाधित किया और एक विशेष बोलीदाता को लाभ पहुंचाया। समिति (डीएलपीसी) के सदस्यों, निरीक्षण समिति के सदस्यों, लाभार्थी ठेकेदार मेसर्स फ्रूट मास्टर एग्रो फ्रेश प्राइवेट लिमिटेड और अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन एसीबी श्रीनगर में एफआईआर संख्या 09/2026 दर्ज की गई ।

## प्रसार भारती अवेकनिंग इंडिया - सीज़न 2 कर रहा लॉन्च

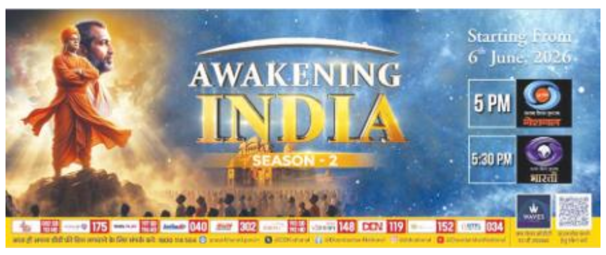


भारत के पब्लिक सर्विस ब्रॉडकास्टर, प्रसार भारती, सार्थक और दिलचस्प कंटेंट के ज़रिए देश की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत को दिखाने के अपने संकल्प को जारी रखे हुए है। इसी कोशिश के तहत, प्रसार भारती अवेकनिंग इंडिया - सीज़न 2 लॉन्च कर रहा है। यह एक शानदार डॉक्यूमेंट्री सीरीज़ है जो भारत की सभ्यतागत विरासत की गहराई, विविधता और निरंतरता का जश्न मनाती है। पहले सीज़न की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, यह सीरीज़ उन विचारों, मूल्यों, परंपराओं और शख्सियतों को खंगालती है जिन्होंने हज़ारों सालों से भारतीय चेतना को आकार दिया है। दिलचस्प कहानियों, विशेषज्ञों की राय और शानदार ढंग से कहानी कहने के ज़रिए, यह प्रोग्राम उन आध्यात्मिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधारों की पड़ताल करता है जो आज की दुनिया में भी भारत की पहचान को प्रभावित करते हैं। यह सीरीज़ अलग-अलग विषयों पर आधारित है और भारत की समृद्ध बौद्धिक परंपराओं, पवित्र भौगोलिक स्थलों, सांस्कृतिक रीति-रिवाजों, कलात्मक अभिव्यक्तियों, वैज्ञानिक उपलब्धियों और समाज सुधार आंदोलनों को उजागर करती है। भारत के अतीत के अहम पलों, संस्थानों और लोगों को फिर से याद करते हुए, अवेकनिंग इंडिया - सीज़न 2 दर्शकों को उन ताकतों की गहरी समझ देता है जिन्होंने देश की मज़बूती, एकता और सांस्कृतिक जीवंतता में योगदान दिया है। इस प्रोग्राम का मकसद लोगों को सोचने-समझने के लिए प्रेरित करना, भारत की विरासत पर गर्व की भावना जगाना और उन सदाबहार विचारों से सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देना है जो देश के भविष्य को आकार दे रहे हैं। इस प्रोग्राम में देश भर के जाने-माने साधु-संतों, आध्यात्मिक गुरुओं, विद्वानों, पत्रकारों, लेखकों, शिक्षाविदों, कानूनी विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित सार्वजनिक बुद्धिजीवियों को एक साथ लाया गया है। सीरीज़ में शामिल लोगों में रामकृष्ण मिशन के साधु और श्री चंद्र कंवर भारद्वाज, श्री निखिल यादव, सुश्री वर्तिका नंदा, डॉ. काजल ताहिरी, प्रो. के. जी. सुरेश, श्री विकास भूषण गुप्ता, श्री हरपाल सिंह (योगी एकम एकोहम नाथ), श्री पवन सिन्हा, श्री दीपक कुंतल (आचार्य श्री देव व्रत) और कई अन्य प्रतिष्ठित मेहमान शामिल हैं।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय भलरा में पौधारोपण व जागरूकता रैलियों का आयोजन

**भद्रवाह, 5 जून।** विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भलरा में शुक्रवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के जूनियर डिवीजन एवं जूनियर विंग कैडेटों तथा विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान व्यापक पौधारोपण अभियान, जागरूकता रैली और पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।10 जम्मू-कश्मीर बटालियन एनसीसी भद्रवाह के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, पूर्व कैडेटों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी के एसोसिएट अधिकारी डॉ. संजीव कुमार कौल के प्रेरणादायक संबोधन से हुई। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. कौल ने कहा कि वृक्षारोपण पहला कदम है, जबकि पौधों को जीवित रखना हमारी वास्तविक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि विद्यालय के पूर्व कैडेटों ने वर्षों पहले लगाए गए पौधों की देखभाल कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है और वर्तमान कैडेटों को भी इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए।

## नटरंग के समर थिएटर कैंप-2026 का शुभारंभ, बच्चों को मिलेगा रचनात्मक विकास का मंच

**जम्मू, 05 जून (हि.स.)।** नटरंग के बहुप्रतीक्षित समर थिएटर कैंप-2026 का शुभारंभ शुक्रवार को नटरंग स्टूडियो थिएटर, जम्मू में किया गया। कैंप का उद्घाटन नटरंग के निदेशक एवं पद्मश्री सम्मानित रंगकर्मी बलवंत ठाकुर ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर बच्चों, अभिभावकों, रंगकर्मियों और नटरंग टीम के सदस्यों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए बलवंत ठाकुर ने कहा कि थिएटर बच्चों के समग्र विकास का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि कैंप का प्रशिक्षण मॉड्यूल अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक एवं रचनात्मक संस्थानों के अनुभवों के आधार पर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि थिएटर बच्चों में आत्मविश्वास, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कैंप का संचालन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता रंग निर्देशक सुमीत शर्मा करेंगे, जिन्हें बच्चों के साथ थिएटर प्रशिक्षण का 26 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इसके अलावा वरिष्ठ रंगकर्मी नीरज कांत और गौरी ठाकुर भी विशेष सत्र आयोजित करेंगे। नटरंग के बाल रंगमंच प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में बच्चों को अभिनय, मंच संचालन, सार्वजनिक भाषण, व्यक्तित्व विकास और रचनात्मक अभिव्यक्ति का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागी एक नई पूर्णकालिक नाट्य प्रस्तुति भी मंचित करेंगे।

## मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख का बडगाम दौरा

**बडगाम, 5 जून।** मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी (सीपीसीओ) तथा जनगणना संचालन निदेशक, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख, अमित शर्मा ने उपायुक्त बडगाम (प्रधान जनगणना अधिकारी बडगाम) अतहर आमिर खान के साथ जिला उपायुक्त कार्यालय परिसर, बडगाम के सम्मेलन कक्ष में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक का उद्देश्य 1 जून से 30 जून 2026 तक चल रहेगृह सूचीकरण अभियान (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन)की तैयारियों और प्रगति की समीक्षा करना था, जोजनगणना 2027के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

बैठक की शुरुआत में जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त बडगाम, मेहराज-उद-दीन शाह ने जिले की भौगोलिक स्थिति, जनगणना 2027 की तैयारियों तथा गृह सूचीकरण अभियान के सुचारू संचालन के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारी दी।

उन्होंने जिले भर में जनगणना कर्मियों के लिए आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी दी और जनगणना कार्य के लिए जिला प्रशासन की तैयारियों से अवगत कराया।

## टाइनी स्कॉलर्स स्कूल कठुआ में इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026 आयोजित

**कठुआ, 05 जून (हि.स.)।** टाइनी स्कॉलर्स स्कूल लोगेट मोड़ कठुआ में इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026 का भव्य आयोजन किया गया जिसमें नव-निर्वाचित छात्र परिषद एवं हाउस कैप्टन्स को औपचारिक रूप से पदभार सौंपा गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डीसी कठुआ राजेश शर्मा, एमडी मनीषा गुप्ता, प्रिंसिपल पूजा गुप्ता एवं मोनार्क गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलन व पुष्प भेंट के साथ हुई। इसके बाद सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई और प्रिंसिपल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर नव-नियुक्त छात्र नेताओं को बैज व सैश पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उन्होंने अनुशासन, जिम्मेदारी, ईमानदारी और सेवा के मूल्यों को निभाने की शपथ ली। छात्र परिषद में गरुष अंडोत्रा को हेड बॉय, तपस्या गुप्ता को हेड गर्ल, ऐंजल भौ को सीसीए हेड, मेहक जसरोतिया को वाइस हेड, दिव्यांशी शर्मा को स्पोर्ट्स कैप्टन, मेनिकर्णिका को स्पोर्ट्स वाइस कैप्टन, क्रिस्टी अलारावत को डिसिप्लिन हेड तथा सिद्धांत मेहरा को डिसिप्लिन वाइस हेड बनाया गया।

कैप्टन्स में गांधी हाउस के मोहक हंस, सरोजिनी हाउस की दांशी राणा, टैगोर हाउस के रिजुल शर्मा और विवेकानंद हाउस के भुवन भगत को जिम्मेदारी सौंपी गई। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में छात्रों को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और संवेदनशील नेता बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डोगरी नृत्य और कठपुतली नृत्य जैसी रंगारंग प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत बना दिया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।